संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 52
पृष्ठ 8
शनिवार
07 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– दिवाली की मिठाइयों और जंक...

विचार– ट्रंप का खत्म हुआ दबदबा

खेल– न्यूजीलैंड को बड़ा झटका...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 4543 दरोगा को जॉइनिंग लेटर दिए, बोले–

पारदर्शी भर्ती से मिली खाकी वर्दी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा भाजपा सरकार में अब तक 9.50 लाख सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख और नौकरियों का वादा भी जल्द पूरा होने वाला है, लेकिन इस बार कुछ नियुक्ति पत्र रोक लेंगे। उन्हें तीसरी बार सरकार बनने पर बांटेंगे। सीएम ने लखनऊ में दरोगा पद पर चुने गए 4,543 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। उन्होंने पूछा क्या किसी को रिश्वत देनी पड़ी या सिफारिश लगानी पड़ी? उन्होंने कहा कि अब यूपी में लेन–देन या धौंस से नौकरी मिलना संभव नहीं है। योगी ने कहा मैंने 2012 से 2017 और 2003 से 2017 के बीच का दौर भी देखा है। उस दौरान कई ऐसी नियुक्तियां हुईं, जिनमें आवेदक कोई और था और नियुक्ति पत्र किसी और को दे





दिया गया। ऐसे कई मामले अभी भी कोर्ट में चल रहे हैं। उन्होंने कहा मुझे चिंता होती है कि अगर कोर्ट ने गड़बड़ी वाली पुरानी भर्तियां रद्द कर दीं तो क्या होगा। हां, अगर कोर्ट उन अधिकारियों और बेईमानों की संपत्ति जब्त करने का आदेश दे, जिन्होंने युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया, तो मुझे बहुत खुशी होगी। योगी ने कहा दिवाली के ठीक बाद हम राजस्व विभाग में 1,200 से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे। उसके बाद होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के तहत 42,000 युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपेंगे। 32 हजार सिपाहियों को भी नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा हमने यूपी को बदलते हुए देखा है। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि अगर 2017 में यूपी में डबल इंजन सरकार सत्ता में नहीं आती, तो यह चयन प्रक्रिया शायद बस एक सपना बनकर रह जाती। योगी ने कहा 10 साल पहले देश में यूपी ने अपनी पहचान खो दी थी। लोग उत्तर प्रदेश नाम सुनकर ही चौंक जाते थे और दूर भागते थे। भर्तियां लगभग बंद हो गई थीं। नतीजा यह हुआ कि यूपी अव्यवस्था और अशांति का पर्याय बन गया। कर्फ्यू और दंगे इसकी नियति बन गए। भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, जहां सबसे युवा कार्यबल है, बेहद दयनीय स्थिति में पहुंच गया था। योगी ने कहा पहले भर्ती का मतलब केवल सैफई सिंडिकेट होता था। इस सरकार ने उस सिंडिकेट को तोड़ा है। अब कोई भाई–भतीजावाद नहीं होगा। उन्होंने कहा देश के अंदर कहीं कोई घटना घटित होती है तो पीड़ित की ओर से एक ही आवाज आती है कि यूपी पुलिस होती तो इन गुंडों और माफियाओं का इतना दुस्साहस नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा अभी हमने बिगड़ी व्यवस्था को सुधाकर पहचान दी है। अब समय है कि इसे मेहनत कर और आगे बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा 2017 से पहले भर्ती का मतलब सैफई सिंडिकेट था। प्रदेश के बाकी हिस्से भर्ती प्रक्रिया से बाहर रहते थे। आज भर्ती में कोई भेदभाव नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 लागू

राजधानी की हवा हुई और जहरीली, वायु प्रदूषण रोकने के लिए लगाए गए कई प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली–एनसीआर में वायु गुणवत्ता के गंभीर स्तर पर पहुंचने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत स्टेज 3 के उपाय लागू करने की घोषणा की है। यह कदम तब उठाया जाता है जब एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 401 से 450 के बीच पहुंच जाता है, जिसे गंभीर श्रेणी माना जाता है।

स्टेज 3 लागू होने पर दफ्तरों में क्या बदलेगा?

ग्रैप स्टेज 3 के तहत सरकारी, नगर निगम और निजी कार्यालयों में कामकाज सीमित कर दिया गया है। दफ्तरों में सिर्फ 50 प्रतिशत स्टाफ को ही फिजिकली आने की अनुमति होगी। बाकी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने की सलाह दी गई है। इसका उद्देश्य रोजाना



की आवाजाही कम कर प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करना है।

निर्माण और औद्योगिक गतिविधियों पर क्या रोक लगी है?

स्टेज 3 के तहत कई गैर–जरूरी गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। गैर–आवश्यक निर्माण और तोड़फोड़ कार्य पूरी तरह बंद रहेंगे। स्टोन क्रशिंग और खनन गतिविधियों पर भी रोक लगाई गई है। इन गतिविधियों को वायु प्रदूषण का बड़ा कारण माना जाता है।

वाहनों पर कौन-सी पाबंदियां लागू होंगी?

दिल्ली–एनसीआर के कई हिस्सों में पुराने वाहनों की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण किया गया है।

BS-III पेट्रोल और BS-IV डीजल चारपहिया वाहनों पर रोक।

यह पाबंदी दिल्ली के साथ–साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में भी लागू होगी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश: केवल सैलरी देखकर उम्मीदवारों से नहीं छिन सकता ओबीसी आरक्षण का लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने फिर से स्पष्ट किया कि किसी उम्मीदवार के माता–पिता की सार्वजनिक क्षेत्र (पब्लिक सेक्टर) या निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) की नौकरी से मिलने वाली सैलरी के आधार पर अकेले यह तय नहीं किया जा सकता कि वह उम्मीदवार ओबीसी 'क्रीमी लेयरश' में आता है या नहीं, और उसे आरक्षण से बाहर रखा जाना चाहिए या नहीं। केंद्र सरकार की इस अपील को खारिज करते हुए कि 11 मार्च, 2026 के फैसले को केवल भविष्य के मामलों में लागू किया जाए, कोर्ट ने कहा कि उसके सामने मौजूद उम्मीदवार आरक्षण के लाभ, और उसके परिणामस्वरूप मिलने वाली नियुक्ति तथा पदों के आवंटन के हकदार हैं।

सरकारी योजनाओं को वोटर आईडी से जोड़ने पर राहुल गांधी ने चेताया

नाम कटा तो वोट और अधिकार दोनों जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के इस बयान के बाद कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान आधार कार्ड के बजाय वोटर आईडी कार्ड से की जाएगी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि यह चुनावों में हेरफेर करने और नागरिकों के वोट देने के अधिकार छीनने की एक गहरी साजिश है, ताकि सत्ता पर हमेशा के लिए कब्जा



बनाए रखा जा सके। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने दावा किया कि यह नई व्यवस्था नागरिकों के मौलिक अधिकारों के लिए खतरा है, क्योंकि इसमें सरकारी लाभों को सीधे मतदाता सूची से जोड़ दिया गया है, जिसमें उनके अनुसार हेरफेर की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग भाजपा से नाराज हैं, उन्हें सबसे पहले निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, ष्मोदी सरकार के मंत्री का ऐलान – योजनाओं का लाभ अब आधार से नहीं, बल्कि वोटर आईडी से तय होगा। यह साजिश बहुत गहरी है; इसे समझने के लिए थोड़ा समय निकालें।

गांधी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में केंद्रीय मंत्री कहते हैं अब लाभार्थियों को भुगतान करने का आधार आधार कार्ड नहीं होगा। आधार कार्ड तो आजकल हर गली–मोहल्ले में मिल जाता है।



कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केएमसी चुनाव अधिसूचना पर लगाई रोक

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने शुक्रवार को वार्ड परिसीमन पर एक अर्जी का एकल पीठ द्वारा निस्तारण किए जाने तक पश्चिम बंगाल राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को कोलकाता नगर निगम चुनाव के लिए अधिसूचना जारी करने से रोक दिया। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने आगामी चुनाव से पहले वार्डों की सीमाओं में संशोधन की प्रक्रिया शुरू की है जिसके तहत, नगर निकाय में वार्डों की संख्या 144 से बढ़कर 209 हो सकती है। एक याचिकाकर्ता ने परिसीमन प्रक्रिया को चुनौती दी है तथा अदालत से अनुरोध किया है कि केएमसी वार्डों की संख्या तय करने की पूरी प्रक्रिया को अमान्य घोषित किया जाए और 11 सितंबर की अधिसूचना को रद्द कर दिया जाए। उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति अर्जुन रे मुखर्जी की अवकाशकालीन खंडपीठ ने राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि जब तक एकल पीठ के सामने लंबित याचिका का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक वह केएमसी चुनाव के लिए कोई अधिसूचना जारी न करे।

वोटर लिस्ट से नाम कटने वालों को राहतः मिलेगा दोबारा फॉर्म भरने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो पाए हैं, उन्हें चुनाव आयोग ने एक और मौका देने का फैसला किया है। यह राहत उन लोगों को मिलेगी, जिन्हें गणना फॉर्म जारी किए गए थे, लेकिन अनुपस्थित, दूसरी जगह शिफ्ट होने, मृत या डुप्लीकेट दर्ज किए जाने के कारण उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं आ सके।

आयोग ने ऐसे मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए नई व्यवस्था तय की है। चुनाव आयोग ने 6 नवंबर 2026 को इस संबंध में दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए। आयोग ने कहा है कि ऐसे सभी मतदाताओं को अपना नाम जुड़वाने के लिए एक और अवसर दिया जाए। इसके लिए बूथवार सूची तैयार होगी और संबंधित मतदान केंद्रों के साथ पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और ब्लॉक विकास अधिकारियों के कार्यालयों में भी प्रदर्शित की जाएगी।

इन सूचियों को आयोग की वेबसाइट पर भी पीडीएफ के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। नाम शामिल नहीं होने की संभावित वजह भी बताई जाएगी। जिन मतदाताओं के नाम एसडीडी श्रेणी में दर्ज हैं, उन्हें गणना फॉर्म दोबारा जमा करने का अवसर मिलेगा। जिन लोगों के फॉर्म अधूरे हैं, उनके लिए भी नई व्यवस्था की गई है। संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के डैशबोर्ड पर ऐसे फॉर्म दोबारा तैयार किए जाएंगे। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं तक फॉर्म पहुंचाने के लिए घर–घर जाएंगे और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की भी मदद लेंगे। जहां संपर्क की जानकारी उपलब्ध होगी, वहां व्हाट्सऐप, ईमेल और एसएमएस के जरिये भी फॉर्म भेजे जा सकेंगे।

मतदाता अपने पुराने ईपीआईसी नंबर से वेबसाइट पर फॉर्म डाउनलोड करके भर सकते हैं। आयोग ने उन मतदाताओं के लिए अलग प्रक्रिया तय की है, जो अपने पुराने पते पर ही रह रहे हैं। ऐसे लोगों को भरा हुआ और हस्ताक्षर किया गया गणना फॉर्म जमा करना होगा।



दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता

संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

प्रयागराज से चलने वाली 70 से अधिक एसी बसों की ऑनलाइन बुकिंग ठप, मनमाने किराए की मार झेल रहे यात्री

प्रयागराज। त्योहारी सीजन में घर आने–जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ जहां प्रमुख रूटों की स्पेशल ट्रेनें पूरी तरह पैक हैं, वहीं दूसरी तरफ



रोडवेज की ऑनलाइन बस सेवाओं का लाभ भी यात्रियों को नहीं मिल पा रहा है। त्योहारी सीजन में घर आने–जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ जहां प्रमुख रूटों की स्पेशल ट्रेनें पूरी तरह पैक हैं, वहीं दूसरी तरफ रोडवेज की ऑनलाइन बस सेवाओं का लाभ भी यात्रियों को नहीं मिल पा रहा है। प्रयागराज क्षेत्र से संचालित होने वाली 70 से अधिक एसी बसों में से एक भी बस ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है। यह हाल तब है जब निगम मुख्यालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि 80 फीसदी ऑनलाइन बस सेवाएं अनिवार्य रूप से संचालित होनी चाहिए लेकिन धरातल पर इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। रोडवेज प्रयागराज रीजन के जीरोरोड, सिविल लाइंस, प्रयाग, मिर्जापुर, प्रतापगढ़ और लीडर रोड समेत विभिन्न डिपो से लखनऊ और दिल्ली समेत प्रमुख मार्गों के लिए 75 एसी बसों का संचालन किया जाता है, जिसमें सबसे अधिक बसें लखनऊ के लिए चलती हैं। वर्तमान में ऑनलाइन पोर्टल और एप पर इन सरकारी बसों की सेवाएं नजर नहीं आने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं ऑनलाइन एप पर सबसे पहले निजी बसों की सेवाएं दिखती हैं। यात्री रोडवेज की बसें तलाशते रह जाते हैं, लेकिन उन्हें विकल्प नहीं मिलता। त्योहार के इस व्यस्त सीजन में बसों की कमी और ऑनलाइन बुकिंग न होने का फायदा उठाते हुए निजी बस संचालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं।

गुरुग्राम स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत प्रयागराज के मयंक रस्तोगी ने बताया कि वह एसी स्लीपर बस से छह नवंबर को प्रयागराज पहुंच रहे है। इसके लिए उन्होंने 3800 रुपये का टिकट लिया।

बसों का समय निर्धारित रहता है लेकिन जाम की स्थिति बनने से समय सारिणी प्रभावित हो जाती है। इससे बसों को ऑनलाइन बुकिंग के लिए उपलब्ध नहीं कराया जाता है। हालांकि, त्योहार को देखते हुए कुछ बसों में ऑनलाइन सुविधा शुरू की जाएगी। – रविंद्र कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक, परिवहन निगम, प्रयागराज

राज्यपाल की अभियोजन स्वीकृति को सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जौनपुर से सपा के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने एनआरएचएम घोटाले से जुड़े मामले में अपने खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की ओर से दी



गई अभियोजन स्वीकृति को चुनौती दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जौनपुर से सपा के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने एनआरएचएम घोटाले से जुड़े मामले में अपने खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की ओर से दी गई अभियोजन स्वीकृति को चुनौती दी। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल अभियोजन शिकायत को भी चुनौती दी। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने बृहस्पतिवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी से जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई के लिए दो दिसंबर की तारीख तय की गई है। मामले के अनुसार, एनआरएचएम घोटाले में आरोपी बाबू सिंह कुशवाहा के खिलाफ ईडी ने वर्ष 2019 में गाजियाबाद की विशेष अदालत में अभियोजन शिकायत दाखिल की। हालांकि, अभियोजन स्वीकृति के लिए ईडी ने वर्ष 2025 में राज्यपाल के समक्ष प्रस्ताव भेजा। राज्यपाल ने वर्ष 2026 में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति प्रदान की।

बस को दुरुस्त कराकर चलने योग्य बनाएं फिर मालिक को सौंपें, जब्त वाहन के सामान चोरी होने पर कोर्ट सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जब्त की गई बस की खराब हालत और उसमें सामान चोरी होने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तीन सप्ताह के भीतर बस को दुरुस्त कराकर चलने योग्य बनाएं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जब्त की गई बस की खराब हालत और उसमें सामान चोरी होने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तीन सप्ताह के भीतर बस को दुरुस्त कराकर चलने योग्य बनाएं।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र क्रमांक B2023991760005736 पर पुत्री का नाम AAYANSHI व पता- RE-12/A, TRIVENI VIHAR RAILWAY COLONY, RE-12/A, RAMBAGH, NEAR CROSTHWATH GIRLS COLLEGE, ALLAHABAD, ALLAHABAD, PRAYAGRAJ-211003, UTTAR PRADESH अंकित है जो कि गलत है जबकि सही नाम AAYANSHI CHAURASIYA व सही पता– BIRAHIMPUR, SHANKARPUR, PO.-SHANKARPUR, DIST.-BASTI-272129, UTTAR PRADESH है। अतः जन्म प्रमाण पत्र पर मेरी पुत्री का सही नाम AAYANSHI CHAURASIYA व सही पता– BIRAHIMPUR, SHANKARPUR, PO.-SHANKARPUR, DIST.-BASTI-272129, UTTAR PRADESH अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

देवता राम पुत्र श्री हरी राम
बिराहिमपुर, शंकरपुर,
जनपद– बस्ती–272129 (उ०प्र०)

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र क्रमांक B2023991760005738 पर पुत्री का नाम ANAMIKA व पता- RE-12/A, TRIVENI VIHAR RAILWAY COLONY, RE-12/A, RAMBAGH, NEAR CROSTHWATH GIRLS COLLEGE, ALLAHABAD, ALLAHABAD, PRAYAGRAJ-211003, UTTAR PRADESH अंकित है जो कि गलत है जबकि सही नाम ANAMIKA CHAURASIYA व सही पता– BIRAHIMPUR, SHANKARPUR, PO.-SHANKARPUR, DIST.-BASTI-272129, UTTAR PRADESH है। अतः जन्म प्रमाण पत्र पर मेरी पुत्री का सही नाम ANAMIKA CHAURASIYA व सही पता– BIRAHIMPUR, SHANKARPUR, PO.-SHANKARPUR, DIST.-BASTI-272129, UTTAR PRADESH अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

देवता राम पुत्र श्री हरी राम
बिराहिमपुर, शंकरपुर,
जनपद– बस्ती–272129 (उ०प्र०)

टीजीटी भर्ती में बीपीएड अभ्यर्थियों को टीईटी से मिल सकती है राहत, आयोग ने शासन को भेजा पत्र

प्रयागराज। यूपी में टीजीटी भर्ती की तैयारी कर रहे बीपीएड डिग्रीधारकों के लिए राहत भरी खबर है। शारीरिक शिक्षा विषय के 849 पदों पर आवेदन के लिए अनिवार्य की गई टीईटी की शर्त हट सकती है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने अर्हता में संशोधन के लिए शासन को पत्र भेजा है। इससे तीन लाख से अधिक अभ्यर्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश के एडेड कॉलेजों में सहायक अध्यापक (टीजीटी) भर्ती के तहत शारीरिक शिक्षा विषय के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इन अभ्यर्थियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट दी जाएगी। इससे बीपीएड (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) डिग्रीधारक बिना टीईटी के भी टीजीटी भर्ती के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से अपर मुख्य सचिव (बेसिक व माध्यमिक) को पत्र भेज दिया गया है।



इस निर्णय से सीधे तौर पर तीन लाख से अधिक प्रतियोगियों को राहत मिल सकती है। 23 अक्तूबर को आयोग की ओर से प्रदेश के 4,512 अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के लिए टीजीटी के 17,735 पदों पर भर्ती निकाली गई है। इसमें शारीरिक शिक्षा विषय के कुल 849 पद शामिल हैं। इसमें बालकों के लिए 784 और बालिकाओं के लिए 65 पद हैं। इस भर्ती में शारीरिक शिक्षा के लिए आवेदन करने वालों के लिए टीईटी अनिवार्य कर दिया गया था। इससे बीपीएड डिग्रीधारकों की मुश्किलें बढ़ गईं।

दरअसल, अभी तक प्रदेश में जितनी भी टीईटी परीक्षाएं कराई गईं उनमें बीपीएड अभ्यर्थियों को शामिल ही नहीं किया गया था। नवोदय व केंद्रीय विद्यालयों में भी टीईटी अनिवार्य नहीं देश में अभी तक जहां कहीं भी शारीरिक शिक्षकों के लिए भर्ती प्रक्रिया होती है। वहां इन अभ्यर्थियों के लिए टेट अनिवार्य नहीं है। यही नियम केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों में भी लागू है। इसके बावजूद, प्रदेश में टीजीटी भर्ती के लिए बीपीएड डिग्रीधारकों को टीईटी अनिवार्य कर दिया गया।

इसका अभ्यर्थियों ने कड़ा विरोध किया। विरोध के बीच ही आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो गई। अब उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से इस अर्हता में संशोधन के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की ओर से भी शारीरिक शिक्षकों के लिए किसी भी भर्ती में टीईटी का कोई प्रावधान नहीं है।

दिवाली–छठ पर घर वापसी की मारामारी, कुछ सेकंडों में भर गई तत्काल की सीटें

प्रयागराज। दिवाली और छठ महापर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों को भारी भीड़ और रेल व्यवस्था की लाचारी का सामना करना पड़ रहा है। महानगरों में पढ़ाई और नौकरी करने वाले परदेसी जब प्रयागराज लौटने निकले, तो उन्हें हर तरफ कोई जगह नहीं और लंबी कतारें मिलीं। दिवाली और छठ महापर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों को भारी भीड़ और रेल व्यवस्था की लाचारी का सामना करना पड़ रहा है। महानगरों में पढ़ाई और नौकरी करने वाले परदेसी जब प्रयागराज लौटने निकले, तो उन्हें हर तरफ कोई जगह नहीं और लंबी कतारें मिलीं।

दिल्ली और मुंबई से आज और कल प्रयागराज आने वाली 70 से अधिक ट्रेनों में पैर रखने की भी जगह नहीं बची है। तत्काल की बर्थ भी कुछ सेकंडों में ही पूरी तरह भर जा रही हैं। यात्री दबाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शुक्रवार छह नवंबर को नई दिल्ली से आने वाली स्लीपर वंदे भारत के एसी थर्ड में प्रतीक्षा सूची 236 तक पहुंच गई।

एसी टू और एसी फर्स्ट में कोई जगह नहीं बची है।



वीआईपी ट्रेन प्रयागराज एक्सप्रेस में भी आज नई दिल्ली से प्रयागराज के लिए एसी थर्ड में कोई जगह नहीं है। हमसफर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में भी कोई जगह नहीं बची है। जानसेनगंज के राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि तत्काल कोटे से आरक्षण करवाना था। लेकिन चंद सेकंड में ही प्रयागराज और हमसफर ट्रेनें पूरी तरह भर गईं।

गाजियाबाद के कौशांबी से प्रयागराज के लिए आज से अतिरिक्त बसें

त्योहारों के इस सीजन में रेल यात्रियों की हो रही दिक्कतों को देखते हुए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने राहत का कदम उठाया है। रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गाजियाबाद के कौशांबी डिपो से प्रयागराज के लिए दस अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी। की ओर से आगामी छह नवंबर से अतिरिक्त बसों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत विभिन्न रूटों पर 148 अतिरिक्त ट्रिप चलाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गाजियाबाद के कौशांबी डिपो से प्रयागराज के लिए दस अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी।

हाईकोर्ट सख्त: गिरफ्तारी को सही ठहराने के लिए साक्ष्य गढ़ना निंदनीय, जांच अधिकारी पर एफआईआर का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्रुखाबाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी को सही ठहराने और आरोपी को रिमांड व जमानत की कार्यवाही में राहत से वंचित करने के लिए साक्ष्य गढ़ना एक निंदनीय कृत्य है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्रुखाबाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी को सही ठहराने और आरोपी को रिमांड व जमानत की कार्यवाही में राहत से वंचित करने के लिए साक्ष्य गढ़ना एक निंदनीय कृत्य है। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने याची मोहम्मद यासीन की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए उसे तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने फर्रुखाबाद के पुलिस अधीक्षक को संबंधित जांच अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और सात दिन के भीतर अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का आदेश



दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने दिया है।

शिकायतकर्ता ने याची के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि याची की प्रताड़ना से उसकी बेटी ने आत्महत्या कर ली। याची को पुलिस ने 14 सितंबर को गिरफ्तार दिखाया। हालांकि, उसका कहना था कि वह 13 सितंबर को अपने अधिवक्ता के साथ खुद थाने पहुंचा था और जांच में शामिल हुआ। उसी दिन से उसे हिरासत में ले लिया गया था। अवैध हिरासत का दावा करते हुए याची ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि गिरफ्तारी के कारण और गिरफ्तारी मेमो अलग–अलग तैयार कर 14 सितंबर को याची को दिए गए थे। इन दस्तावेज पर उसके हस्ताक्षर भी थे। अदालत ने पुलिस की ओर से पेश दस्तावेजों और याची को उपलब्ध कराए गए दस्तावेज का मिलान किया तो उनमें अंतर पाया। कोर्ट ने पाया कि याची को दिए गए गिरफ्तारी के कारणों वाले दस्तावेज में केवल बीएनएस की धारा–108 का उल्लेख था। उसमें यह जानकारी नहीं थी कि युवती ने कथित प्रताड़ना के कारण आत्महत्या की और जांच में इस संबंध में साक्ष्य सामने आए हैं। जबकि पुलिस की ओर से अदालत में पेश दस्तावेज में ये तथ्य शामिल थे।

यूपीपीएससी: कार्डियोलॉजी पद के साक्षात्कार में नहीं पहुंचे अभ्यर्थी, भर्ती प्रक्रिया दोबारा कराने की संस्तुति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर (कार्डियोलॉजी) के एक पद पर भर्ती निकाली गई थी। आयोग की उप सचिव पूनम निगम की ओर से बताया गया कि चार नवंबर को इसके लिए आयोग में साक्षात्कार की तिथि निर्धारित थी लेकिन इसमें कोई अभ्यर्थी उपस्थित नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर (कार्डियोलॉजी) के एक पद पर भर्ती निकाली गई थी। आयोग की उप सचिव पूनम निगम की ओर से बताया गया कि चार नवंबर को इसके लिए आयोग में साक्षात्कार की तिथि निर्धारित थी लेकिन इसमें कोई अभ्यर्थी उपस्थित नहीं हुआ। अब इस पद पर भर्ती की प्रक्रिया दोबारा कराने की संस्तुति कर दी गई है। इसी तरह ईएनटी डिपार्टमेंट में आचार्य (अनारक्षित) के दो पदों पर सीधी भर्ती के लिए 28 अक्तूबर को साक्षात्कार लिया गया था। साक्षात्कार में उपस्थित अभ्यर्थियों के अंक आयोग की अर्हता से कम होने के कारण चयन नहीं हो सका। एनाटॉमी डिपार्टमेंट में आचार्य पद के एक पद पर चयन के लिए 28 अक्तूबर को साक्षात्कार लिया गया था। इस पद के लिए विनय शर्मा का चयन किया गया है।

रैली निकाल एंटीबायोटिक दवाओं से होने वाले खतरों के प्रति किया जागरूक

प्रयागराज। यूनाइटेड इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी तथा यूनाइटेड कॉलेज ऑफ फार्मेसी नैनी के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पतिवार को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के खिलाफ जागरूकता रैली का



आयोजन किया गया। सरस्वती हाईटेक सीटी से डेज मेडिकल चौराहा तक निकाली गई रैली में विभिन्न फॉर्मेसी कॉलेजों के करीब 300 छात्र शामिल थे। नेशनल फॉर्मेसी वीक के तहत आयोजित इस अभियान में आरके इंस्टिट्यूट ऑफ फॉर्मेसी, कृष्णार्पित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी तथा रज्जू भईया विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्टेट कोआर्डिनेटर (एएमआर) प्रो. आलोक मुखर्जी ने बताया कि रैली का आयोजन फॉर्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया के दिशा–निर्देशों के अनुरूप किया गया। यूसीपी के प्राचार्य प्रो अनिल सिंह, प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग से डॉ. दीपक यादव, आरके कॉलेज ऑफ फार्मेसी से प्रो. सीएस सिंह, कृष्णार्पित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी से प्रो. पर्जन्य शुक्ला सहित शिक्षक एवं पुलिस प्रशासन की टीम मौजूद रही।

पुणे की कंपनी में फाइनेंस का काम करता था राकेश, क्राइम ब्रांच ने भी शुरू की जांच

प्रयागराज। नवाबगंज के बरईपुर रामनगर में तीन नीले ड्रमों में छिपाकर रखे गए 3.20 करोड़ रुपये के मामले की जांच अब पुणे तक पहुंच गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी राकेश यादव उर्फ महाकाल ने बताया है कि वह पुणे की मार्शल नाम की फाइनेंस कंपनी में फाइनेंसर के तौर पर काम करता था।

नवाबगंज के बरईपुर रामनगर में तीन नीले ड्रमों में छिपाकर रखे गए 3.20 करोड़ रुपये के मामले की जांच अब पुणे तक पहुंच गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी राकेश यादव उर्फ महाकाल ने बताया है कि वह पुणे की मार्शल नाम की फाइनेंस कंपनी में फाइनेंसर के तौर पर काम करता था।

मामले में अब पुणे की क्राइम ब्रांच की टीम भी अब पड़ताल करेगी। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मार्शल फाइनेंस कंपनी वास्तव में कहां संचालित थी, उसमें राकेश की क्या भूमिका थी और इतनी बड़ी रकम उसके पास कैसे आई। प्रयागराज पुलिस ने मामले को लेकर पुणे पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट भेजकर आरोपी के दावे, कंपनी के कार्यालय और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच करने का अनुरोध किया है। उधर, बरामद 3 करोड़ 20 लाख 93 हजार रुपये आयकर विभाग के माध्यम से बैंक में जमा करा दिए गए हैं। 3.20 करोड़ रुपये मिलने के बाद आयकर विभाग की जांच लगातार जारी है। टीम 28 अक्टूबर से घर और उससे जुड़े परिसरों की पड़ताल कर रही है। अब विभाग बरामद रकम के स्रोत और राकेश व उसके भाई राजेश की संपत्तियों का ब्योरा जुटा रहा है। डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि पुणे पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट भेजी गई है। मामले की विस्तृत जांच आयकर विभाग कर रहा है।

महिला उद्यमियों की प्रेरक कहानियों से परिचित हुए छात्र

प्रयागराज। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय महाविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत गृह विज्ञान विभाग की ओर से महिला उद्यमियों की सफलता की प्रेरणादायक कहानियों की प्रस्तुति विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एमए एवं बीए की छात्राओं को स्लाइड्स एवं पीपीटी के माध्यम से महिला उद्यमियों पर व्याख्यान दिया। प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश ने कहा कि महिला उद्यमी अपने साहस, परिश्रम और नवाचार से समाज को नई दिशा देती हैं, और छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। गृह विज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. नीतू सिंह ने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी योग्यता सिद्ध कर रही हैं। उन्होंने छात्राओं से कौशल विकसित कर अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। इस मौके पर प्रो. सविता श्रीवास्तव, डॉ. अर्चना राय, डॉ. ऋषि आदि मौजूद रहे।

खेल मैदान में घास का कब्जा, खिलाड़ियों की राह में बनी बाधा

प्रयागराज। सर्दियों में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं के चलते ओसा चौराहा स्थित श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज के सैकड़ों खिलाड़ी अभ्यास में जुटे हैं। दिसंबर और जनवरी में कबड्डी, एथलेटिक्स और क्रिकेट की प्रतियोगिताएं प्रस्तावित हैं। इनमें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ी पसीना बहा रहे हैं लेकिन विद्यालय के खेल मैदान की बदहाली उनकी तैयारियों में बाधा बन रही है। मैदान में जगह–जगह बड़ी–बड़ी घास उगी है और जमीन भी उबड़–खाबड़ हैं। इससे खिलाड़ियों को अभ्यास के



दौरान चोटिल होने का खतरा बना रहता है। यहां करीब दो हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं। इनमें काफी बच्चे खेल में रुचि रखते हैं। ऐसे में मैदान पर उगी बड़ी–बड़ी घास और झाड़ियां अभ्यास में बाधक बन रही हैं। इससे खिलाड़ियों को दौड़ने और खेल की गतिविधियां करने में परेशानी होती है। इसके अलावा घास में जहरीले जीव–जंतुओं के छिपे होने का भी डर बना हुआ है। विद्यालय में कई खिलाड़ी दूरदराज से अभ्यास करने पहुंचते हैं। इनमें कुछ खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपना हुनर दिखा चुके हैं और अब राष्ट्रीय स्तर की तैयारी में जुटे हुए हैं। बृहस्पतिवार दोपहर मैदान में कुछ बालिकाएं हैंडबॉल खिलाड़ी अभ्यास करती नजर आईं। खेल शिक्षक अवध कुमार ने बताया कि विद्यालय की हैंडबॉल टीम की बालिका खिलाड़ी राज्य स्तर पर प्रतियोगिताएं जीत चुकी हैं। अब उनका लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करना है। इसके अलावा एथलेटिक्स और कबड्डी के खिलाड़ी भी नियमित अभ्यास कर रहे हैं। आगामी प्रतियोगिताओं को देखते हुए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बारिश का पानी भरने से मैदान में घास उग आई थी। इसे कटवाने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त

पर्यटन मंत्री आज जायेंगे अयोध्या

लखनऊ, संवाददाता। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर कल अयोध्या जायेंगे। पर्यटन मंत्री साकेत महाविद्यालय अयोध्या में श्रीराम के अयोध्या आगमन को प्रतिकात्मक रूप से दर्शाते हुए भव्य शोभा यात्रा का शुभारम्भ करेंगे। आईएचसीएल सलेक्शन अयोध्या में आज तक द्वारा आयोजित पंचायत कार्यक्रम में शामिल होंगे। अपरान्ह में रामकथा पार्क अयोध्या में उपराष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का स्वागत करेंगे। उपराष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ज के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेगे। इसके उपरान्त दीपोत्सव–2026 के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सरयू होटल रामकथा पार्क अयोध्या में रात्रि विश्राम करने के पश्चात रविवार को दोपहर तक लखनऊ आयेंगे।

पर्यटन मंत्री ने दीपावली पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ, संवाददाता। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दीपावली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि की मंगल कामना की है। दीपावली की पूर्व संध्या पर दिये गये संदेश में उन्होंने कहा है कि यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास का हिस्सा है। इस पर्व पर पूरे देश एवं विदेश में दीपक जलाकर हर भारतवासी एक दूसरे को बधाई देते हैं। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन पर अयोध्यावासियों ने दीप प्रज्जवलित कर खुशियां मनायी थीं। दीपावली का पर्व हमारी सनातन संस्कृति का जीवन्त प्रमाण है। राज्य सरकार इस अवसर पर अयोध्या में 30 लाख दीये जलाकर सनातन संस्कृति की ज्योति को और उद्यमान कर रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत भी बना रही है।

जलनिगम संघर्ष समिति ने दीपावली बोनस दिए जाने के फैसले का किया स्वागत

लखनऊ, संवाददाता। जलनिगम संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री की ओर से प्रदेश के कर्मचारियों को दीपावली पर बोनस दिए जाने के फैसले का स्वागत किया है। समिति के संयोजक वाईएन उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को हमेशा अपना परिवार माना है, लेकिन नौकरशाहों की कार्यप्रणाली ने जलनिगम को प्रदेश से बाहर के निगम जैसी स्थिति में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से जलनिगम परिवार के लिए न तो दीपावली आई और न ही होली। इस दौरान कर्मचारियों को कभी बोनस या एक्सग्रेसिया नहीं मिला। उन्होंने महंगाई भत्ते का मुद्दा उठाते हुए कहा कि छठे वेतनमान के अनुसार 262 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलना चाहिए, जबकि कर्मचारियों को केवल 212 प्रतिशत ही दिया जा रहा है। समिति ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग की है।

पिकअप और बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के विभूतिखंड थाना क्षेत्र में पिकअप भवन के पास सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन लोहिया अस्पताल पहुंचे, जहां दोनों मृतकों की पहचान हुई। आरिफ (उम्र करीब 18–20 वर्ष), पुत्र अनीश, निवासी गुलजार नगर, ऐशबाग और फैजू उम्र करीब 15 वर्ष, पुत्र खलील, निवासी गुलजार नगर, ऐशबाग के रहने वाले थे। हादसा लोहिया पार्क पुल के नीचे पिकप भवन के पास में सुबह करीब 10 बजे हुआ। मृतक पल्सर बाइक से सवार होकर ऐशबाग स्थित घर से अंबेडकर चौराहे की तरफ अपनी पेंटिंग की दुकान पर खाना देने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक सीएनजी वाहन को ओवरटेक करने के चक्कर में यह भयानक हादसा हुआ। दोनों युवक घरेलू पेंट का काम करते थे और साथ में ही काम पर जा रहे थे। घटना के बाद से मृतकों के परिवार में फिलहाल लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

स्कश्वर्पियो डीसीएम में पीछे से घुसी, युवक की मौत,5 लोग घायल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के सरोजनीनगर में शुक्रवार तड़के भीषण हादसा हो गया। एक स्कॉर्पियो आगे चल रही डीसीएम में पीछे से घुस गई। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार एक युवक की मौत हो गई। 5 लोगों की हालत गंभीर है। टक्कर इतनी भीषण थी कि डीसीएम के पिछले 4 चक्के गाड़ी से अलग होकर बाहर निकल गए। स्कॉर्पियो सवार लोग झांसी से अपने घर देवरिया के लिए लौट रहे थे। स्कॉर्पियो में कुल 6 लोग सवार थे। 5 का इलाज लोकबंधु अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, देवरिया जिले के सलेमपुर थाना क्षेत्र के शंकर नगर मझौली निवासी हिमांशु (22), किशोर कुमार (25), सुधीर (23), सतीश (24), हीरा (25) और अच्छे लाल (27) स्कॉर्पियो से झांसी से अपने घर लौट रहे थे। वे कानपुर एक्सप्रेसवे से जा रहे थे। स्कॉर्पियो किशोर कुमार चला रहा था। शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे वे सरोजनीनगर में दरोगा खेड़ा के पास एलिवेटेड एक्सप्रेसवे से उतरकर कानपुर रोड पर पहुंचे। इसी दौरान स्कॉर्पियो आगे जा रही डीसीएम में पीछे से घुस गई। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग अंदर फंस गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन कुछ लोग अंदर फंसे थे। इसके बाद पुलिस ने फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर टीम ने स्कॉर्पियो का गेट काटकर चालक और उसके बगल में बैठे हिमांशु को बाहर निकाला। पुलिस सभी घायलों को लोकबंधु अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। हादसे के बाद डीसीएम चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग गया।

डीबीएस मोंटेसरी स्कूल में बाल मेले का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के इंदिरा नगर स्थित डीबीएस मोंटेसरी स्कूल में बाल मेले का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 1 से 12 तक के छात्र–छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मेले में बच्चों की ओर से लगाए गए विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। छोटे और बड़े सभी विद्यार्थियों ने मिलकर हैंडीक्राफ्ट, किताबों, पेन और खाने–पीने की वस्तुओं के स्टॉल लगाए। इसके अलावा मनोरंजक खेलों के स्टॉल भी सजाए गए। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ टीम वर्क, व्यापार और प्रबंधन से जुड़ी जानकारी हासिल करने का अवसर मिला। बच्चों ने स्टॉल के संचालन, सामान की बिक्री और ग्राहकों से बातचीत जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया।

कवि श्याम नारायण वर्मा की पाँच साहित्यिक कृतियों के विमोचन के साथ सरस काव्य–गोष्ठी का भव्य आयोजन

कवि श्याम नारायण वर्मा की साहित्य–साधना को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कानपुर। साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्था 'श्री श्याम नारायण वर्मा स्मृति शोध संस्थान' के तत्वावधान में शुक्रवार, 6 नवंबर 2026 को पकवान रेस्टोरेंट, काकादेव में प्रसिद्ध दिवंगत कवि श्याम नारायण वर्मा की पाँच साहित्यिक कृतियों के विमोचन समारोह एवं सरस काव्य–गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता वी. एस.एस.डी. कॉलेज के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र शर्मा ने की। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन नवगीतकार जयराम जय एवं डॉ. नीरंजना मिश्रा ने किया।

समारोह में श्याम नारायण वर्मा की पाँच साहित्यिक कृतियोंकृ'दिल दा दर्पण' (हिंदी ग़ज़ल–संग्रह), 'लोकगीत लालित्य' (ललित आलेख), 'सूरज की तलाश' (अतुकांत रचनाएँ), 'मौसम बंजारा' (ऋतु, मौसम एवं पर्व संबंधी काव्य–रचनाएँ) तथा 'दक्षा' (खंडकाव्य) का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. एच. सी. वर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आई.आई.टी. कानपुर रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रसिद्ध नवगीतकार एवं समालोचक श्री वीरेन्द्र आस्तिक, वरिष्ठ कवयित्री डॉ. राधा शाक्य तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं लोकगायक श्री शिवा अवस्थी शामिल रहे।

अतिथियों ने दिवंगत कवि श्याम नारायण वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त करते हुए उनकी साहित्य–साधना और रचनात्मक अवदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने उनकी कृतियों को साहित्यिक विरासत का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उनके साहित्यिक योगदान के प्रति भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।



समारोह का शुभारंभ माँ वाणी की पूजा–अर्चना एवं श्याम नारायण वर्मा के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। आयोजकों एवं संयोजकों ने अतिथियों तथा आमंत्रित कवियों को पुष्पमालाओं, अंगवस्त्रों एवं श्याम नारायण वर्मा की कृतियों का सेट भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर समारोह के अध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र शर्मा को वर्ष 2026 के 'श्याम नारायण वर्मा साहित्य सम्मान' से विशेष रूप से अलंकृत किया गया।

समारोह के अंतर्गत आयोजित काव्य–गोष्ठी में डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, पद्मश्री डॉ. एच. सी. वर्मा, वीरेन्द्र आस्तिक, डॉ. राधा शाक्य, श्रीहरि वाणी, मृदुल तिवारी, डॉ. मधु प्रधान, देवेन्द्र सफल, जयराम सिंह जय, डॉ मुकेश सिंह,सुश्री शिप्रा ज्ञानेंद्र, कैलाश सोनी,,श्री हरी राम निर्पेक्ष एवं श्री शिवांश सरस आदि ने अपनी काव्य–प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गीतों, ग़ज़लों एवं छंदबद्ध रचनाओं की सरस बौछार ने काव्य–गोष्ठी को भावपूर्ण एवं साहित्यिक गरिमा से परिपूर्ण बना दिया। विभिन्न काव्य–विधाओं की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को साहित्यिक रसधारा में सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर नगर के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने साहित्यिक अनुष्ठान को गौरव प्रदान किया। दिवंगत कवि की पाँच कृतियों का विमोचन उनकी साहित्य–साधना के प्रति श्रद्धांजलि का सार्थक माध्यम बना।

समारोह के आयोजन एवं संयोजन में डॉ. नीरंजना मिश्रा, नीरज मिश्रा, पम्मी वर्मा, हेमंत वर्मा 'काकू', श्रीमती भारती, अमलताश शुक्ल, देवेन्द्र मिश्र, शरद सक्सेना,कु.तृप्ति मिश्रा, दित्या वर्मा सहित अन्य साहित्यप्रेमियों का विशेष योगदान रहा।

अंत में कार्यक्रम की मुख्य संयोजक एवं श्याम नारायण वर्मा की पुत्री डॉ. नीरंजना मिश्रा ने बताया कि प्रतिवर्ष पिता जी की स्मृति में साहित्यिक समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर एक वरिष्ठ साहित्यकार को 'श्री श्याम नारायण वर्मा साहित्य स्मृति सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा। उन्होंने अतिथियों, कवियों एवं उपस्थित सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा दोपहर के सामूहिक भोज के लिए सभी को सादर आमंत्रित किया।

दीपावली और छठ पूजा पर अलर्ट मोड में मेडिकल कॉलेज

त्योहारों पर हर नागरिक को मिले त्वरित और बेहतर उपचार

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष सतर्कता बरत रही है। इसी क्रम में दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान संभावित दुर्घटनाओं, आग लगने की घटनाओं, सड़क हादसों और अन्य आपात परिस्थितियों को देखते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों तथा संबद्ध चिकित्सालयों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि त्योहारों के दौरान किसी भी नागरिक को आपात चिकित्सा सुविधा के लिए भटकना न पड़े और जरूरत पड़ने पर उसे तत्काल उपचार उपलब्ध हो।महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण नेहा शर्मा ने दिशा–निर्देश जारी किए हैं। मेडिकल कॉलेजों एवं संबद्ध चिकित्सालयों में इमरजेंसी विभाग, ट्रॉमा सेंटर, आईसीयू, बर्न यूनिट, एनेस्थीसिया, सर्जरी और ऑपरेशन थिएटर सहित सभी जीवनरक्षक चिकित्सा सेवाएं चौबीसों घंटे क्रियाशील रखी जाएंगी। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों का तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण और आवश्यकतानुसार प्राथमिक उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। मरीजों की गंभीरता के आधार पर उपचार की प्राथमिकता तय करने के साथ अतिरिक्त बेड और चिकित्सा संसाधनों की व्यवस्था भी रखने के निर्देश दिए गए हैं।त्योहार अवधि के लिए इमरजेंसी, ट्रॉमा सेंटर, आईसीयू, बर्न यूनिट, एनेस्थीसिया, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, मेडिसिन और रेडियोलॉजी विभागों के चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों, तकनीशियनों एवं अन्य कर्मचारियों का ड्यूटी रोस्टर तैयार किया जाएगा।विभागाध्यक्षों एवं प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों को आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं, इंजेक्शन, ड्रेसिंग सामग्री, स्यूचर, प्लास्टर सामग्री तथा आपातकालीन उपचार किट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली, वेंटिलेटर, मॉनिटर, डिफिब्रिलेटर और सक्शन मशीन सहित सभी आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता की जांच कराई जाएगी। ब्लड बैंक के साथ समन्वय स्थापित कर रक्त एवं रक्त अवयवों की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी।महानिदेशक ने मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, निदेशकों एवं प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें। आवश्यकता के अनुसार एक वरिष्ठ अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा, जो ड्यूटी रोस्टर, संसाधनों की उपलब्धता और आपातकालीन व्यवस्थाओं की निगरानी करेगा।



महिला ने अपर्णा यादव से मिलकर आपबीती सुनाई

ग्राम प्रधान ने निर्वस्त्र कर पीटा,यौन हिंसा की, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया

लखनऊ, संवाददाता। सिद्धार्थनगर के खेसरहा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला के साथ तालिबानी बर्बरता की गई है। उसे जब पुलिस और स्थानीय स्तर पर कोई मदद नहीं मिली तो वह शुक्रवार को लखनऊ पहुंच गई। यहां महिला आयोग से गुहार लगाई। उसने आयोग उपाध्यक्ष अपर्णा यादव से मिलकर आपबीती सुनाई। पीड़िता ने महिला आयोग और पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती प्रार्थना–पत्र में आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान और उसके सहयोगियों ने उसके साथ बर्बरता की। रंजिश के चलते घर में घुसकर निर्वस्त्र किया। खंभे से बांधकर करीब 3 घंटे तक बेरहमी से पीटा। यौन हिंसा की। धर्म परिवर्तन के लिए कहा और ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार, 27 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब 7 बजे जब वह बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी कर रही थी, तभी गांव के प्रधान अहमद हुसैन, गनी, शमी, असलम, बदरुन्निशा, रिजवाना खातून समेत 20–25 लोग जबरन उसके घर में घुस आए। आरोप है कि आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़कर उसे निर्वस्त्र कर दिया, बाल पकड़कर घसीटा और एक खंभे से बांधकर लगभग तीन घंटे तक लाठी–डंडों और लात–घूंसों से पीटा। बीच–बचाव करने आईं गांव की अन्य महिलाओं को भी आरोपियों द्वारा धमकाया गया।



शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ग्राम प्रधान पूर्व में भी उसे प्रताड़ित करता रहा है। पीड़िता का आरोप है कि नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ बलात्कार किया गया, जिससे वह गर्भवती हो गई थी और बाद में जबरन दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया गया। इस बार की घटना के दौरान उस पर धर्म परिवर्तन करने का भी दबाव बनाया गया और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने स्थानीय पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि थाने में दी गई उसकी मूल लिखित शिकायत को थानाध्यक्ष ने फाड़कर फेंक दिया। उसकी सहमति के बिना मनमाना विवरण दर्ज कर लिया गया और उल्टा उसके खिलाफ ही झूठी कार्रवाई कर दी गई। मेडिकल परीक्षण न होने के कारण पीड़िता को अपने शरीर पर आई चोटों के फोटो और वीडियो खुद सुरक्षित रखने पड़े हैं। पीड़िता का आरोप है कि 2 नवंबर 2026 को जब वह एसपी कार्यालय गईं, तो वहां भी आरोपियों ने भीड़ जुटाकर मीडिया के सामने जान से मारने की खुली धमकियां दीं। पीड़िता ने उच्चाधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त एफआईआर दर्ज करने और अपनी व परिवार के लिए तत्काल पुलिस सुरक्षा की गुहार लगाई है।

सहकर बाती ताप

(छप्पय)

सहकर बाती ताप अँधेरा पीकर कहती।
आत्मज्ञान की ज्योति हृदय को निर्मल करती।
काट–तमस का जाल इल्म का पाठ पढ़ाते।
माया का चलचित्र दिखाकर राह बताते।
सहकर संकट जो हँसे जग में वही महान है।
दीपक जैसा त्याग ही जीवन की पहचान है।।

भीतर बैठ यथार्थ ज्ञान की ज्योति जलाते।
परमारथ का कार्य सुगम कर, राह दिखाते।
मुक्ति–पंथ की ओर चरण यह सहज बढ़ाती।
दर्पण की ही भाँति सभी का दिल बहलाती।
धन–दौलत सब धूल है झूठा जग का ठाठ है।।
धर्मग्रन्थ कहते यही, सच्चा पावन पाठ है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आरोग्य भारती ने मनाया भगवान धन्वन्तरि प्राकट्योत्सव, हवन–पूजन कर की लोककल्याण की कामना

प्रतापगढ़। पंचदीपोत्सव पर्व के प्रथम दिवस भगवान धन्वन्तरि के प्राकट्योत्सव एवं धन्वन्तरि जयंती के पावन अवसर पर आरोग्य भारती के तत्वावधान में धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान धन्वन्तरि का विधिवत पूजन–अर्चन एवं हवन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां समर्पित कर समस्त जनमानस के उत्तम स्वास्थ्य,



सुख–समृद्धि एवं निरोगी जीवन की मंगलकामना की गई।

कार्यक्रम में आरोग्य भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. रंगनाथ शुक्ल ने भगवान धन्वन्तरि के प्राकट्योत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान धन्वन्तरि आयुर्वेद एवं आरोग्य के अधिष्ठाता देवता हैं। भारतीय चिकित्सा परंपरा में उनका विशेष स्थान है।संरक्षक डॉ. एस.के. शर्मा ने अपना आशीर्वचन देते हुए कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना आवश्यक है।

अध्यक्ष डॉ सुधांशु उपाध्याय जी ने कहा कि आयुर्वेद की मान्यता पंचम वेद के रूप में प्रतिष्ठित है। इस अवसर पर संरक्षक डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. सुधांशु उपाध्याय अध्यक्ष, राकेश शर्मा कोषाध्यक्ष, धर्म प्रकाश पाण्डेय सचिव, अमित शुक्ल उपाध्यक्ष एवं योग प्रशिक्षक राकेश कुशवाहा श्री अजीत सिंह विभागाध्यक्ष डी एल एड डॉ ए के मिश्र सदस्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विश्व कल्याण एवं सर्वजन के आरोग्य की प्रार्थना के साथ हुआ।

आयुष चिकित्सा को नई पहचान, साढ़े नौ साल में मजबूत हुआ बुनियादी ढांचा

गोरखपुर में प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय, 100 महाविद्यालयों को मिली एक छत

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को नई पहचान देने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों को जनसामान्य तक पहुंचाने के साथ इनके शैक्षणिक, चिकित्सकीय और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश में आयुष चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत स्वरूप देने के लिए 2017 में अलग आयुष विभाग का गठन किया गया। इसके माध्यम से आयुर्वेद, यूनानी होम्योपैथी सेवाओं को एक ही प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत लाकर इनके विकास, विस्तार और बेहतर संचालन का रास्ता तैयार किया गया।प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि आयुष चिकित्सा शिक्षा को एक नई दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। इसकी आधारशिला अगस्त–21 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रखी थी। करीब 52 एकड़ में विकसित विश्वविद्यालय का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जुलाई–25 को किया था।

यह प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय है, जिसके माध्यम से आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी चिकित्सा शिक्षा को एकीकृत व्यवस्था के तहत संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय से 100 आयुष महाविद्यालय संबद्ध हैं। यहां बीएएमएस, बीयूएमएस और बीएचएमएस सहित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों की शिक्षा और परीक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में चिकित्सा सेवाओं के साथ शोध और गुणवत्तापूर्ण आयुष शिक्षा को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। आयुष चिकित्सा सुविधाओं को जिला स्तर तक पहुंचाने के लिए योगी सरकार ने एकीकृत आयुष अस्पतालों के निर्माण पर विशेष जोर दिया है। इन अस्पतालों में आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसी चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

दिसंबर 2021 में प्रदेश के आठ शहरों में 50 बेड के एकीकृत आयुष अस्पतालों का उद्घाटन किया गया था। इसके साथ ही छह नए अस्पतालों की स्थापना की घोषणा की गई। प्रदेश में 16 पचास बेड वाले एकीकृत आयुष अस्पताल पूरी तरह संचालित हैं। बुलंदशहर, फतेहपुर, हरदोई और उन्नाव में चार अन्य अस्पतालों का निर्माण लगभग पूरा होने की जानकारी दी गई है। मेरठ में 50 बेड और जौनपुर में 30 बेड के एकीकृत आयुष अस्पताल का निर्माण भी जारी है। योगी सरकार ने आयुष चिकित्सा को गांवों और कस्बों तक पहुंचाने के लिए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का विस्तार किया है।

उत्तर मध्य रेलवे
पत्रांकः एस/सेल/611/ई-नी.का./170758/2026-27 दिनांकः 05.11.2026
ई-नीलामी सूचना सं0 08 में
प्रथम संशोधन पत्र
सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद, प्रयागराज मंडल द्वारा नवंबर 2026 में आयोजित होने वाले ई-नीलामी कार्यक्रम की तारीख में बदलाव किया गया है। अब 23 नवंबर 2026 के स्थान पर ई-नीलामी 26 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम से जुड़ी अन्य सभी तारीखें, नियम और शर्तें पहले की तरह ही (यथावत) रहेंगी। 2357/26(A)
North central railways @CPRONCR

सम्पादकीय.....

आबादी पर नई दृष्टि

आज देश में प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी बाबत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाली नीति से जुड़े कानून की प्रासंगिकता अब खत्म हो गई है। अदालत ने माना कि देश में जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण ऐसे प्रतिबंध को लेकर दिये जाने वाले तर्क अब बेमाने हो गए हैं। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' (2003) मामले को एक बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। दरअसल, इस मामले में तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधि ानियम–1994 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। जिसमें दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवार को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया गया था। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की दो बच्चों के नियम पर यह टिप्पणी दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के लिये एक उपयुक्त समय पर आई है। देश की मौजूदा बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर दर्शाती है कि अब वे कानून पुराने व प्रतिकूल हो चुके हैं, जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिये जनप्रतिनिधियों को स्थानीय चुनाव में हिस्सा लेने से रोकते थे। उल्लेखनीय है कि जब कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य'(2003) के मामले में दो बच्चों के नियम की वैधता को मान्यता दी थी, उस समय भारत की प्रजनन दर लगभग तीन थी। जबकि आज यह घटकर 1.9 हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर 2.1 से कम है। सही मायने में इस बदलाव में हमारी वास्तविक सामाजिक स्थिति का अक्स उभरता है। मसलन बढ़ती साक्षरता, शहरीकरण का विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुध ाार और परिवार नियोजन के उपायों के प्रति समाज में जागरूकता में वृद्धि आदि। अदालत ने महाराष्ट्र के एक पूर्व सरपंच की अयोग्यता को भी रद्द कर दिया है, जिन्हें अपने तीसरे बच्चे के जन्म के बाद चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इससे जुड़े संवैधानिक प्रश्न के समाधान के लिये मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दर्शाती है कि जनसंख्या नीति और मौलिक अधिकारों के बीच पर्याप्त संतुलन बनाना जरूरी है। यानी दो बच्चों से ज्यादा होने पर किसी को सार्वजनिक सेवा करने से रोकना तार्किक नहीं होगा। दूसरे शब्दों में ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने के हक को रोकना पारिवारिक विकल्पों के आधार पर लोकतांत्रिक भागीदारी को सीमित करने जैसा होगा। यानी यह कानून अनुच्छेद 21 अर्थात जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संरक्षण के तहत प्रजनन स्वायत्तता पर गंभीर सवाल उठाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व हरियाणा आदि ने पहले ही इस प्रतिबंध को हटा दिया है। इन राज्यों का मानना था कि देश में फिलहाल जनसांख्यिकीय परिस्थितियां बदल चुकी हैं। वास्तव में अन्य राज्यों को भी इस तरह के प्रावधानों पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बाबत कोर्ट का मानना था कि मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करता है। यह भी कि ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाला यह कानून नागरिकों के वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देता है। सही मायने में इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत में मौजूदा जन्मदर 1. 9 है, जबकि प्रतिस्थापन दर 2.1 होनी चाहिए। जिसका मतलब है कि कम प्रजनन के चलते एक पीढ़ी की जगह अगली पीढ़ी पूरी तरह नहीं ले पायेगी। जिसका अर्थ यह है कि बुजुर्गों की आबादी बढ़ने से कामकाजी लोगों की संख्या कम हो सकती है। यदि हमने इन बदलावों को नजरअंदाज किया तो देश के विकास में नकारात्मक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमें यह ध यान रखना चाहिए कि घटती जन्मदर अंततः बुजुर्गों की आबादी बढ़ाने, कार्यबल में गिरावट और देश की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली व स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा सकती है। भारत के जनसंख्या स्वरूप में आये बदलाव के मद्देनजर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, बच्चों की देखभाल सुविधाओं में विस्तार, कौशल विकास और उपयोगी पेंशन योजनाओं को क्रियान्वित करना चाहिए। इसका मतलब यह भी है कि हर दौर में छोटे परिवार की कसौटी तार्किक नहीं हो सकती।

ट्रंप का खत्म हुआ दबदबा

डॉ. दीपक पाचपोर

कई देशों के आंतरिक मामलों या चुनावों में दखल देने का काम अमेरिका हमेशा ही करता रहा है, ट्रंप ने इस रवायत को बरकरार रखा, हालांकि इससे उनका अपना ही नुकसान हुआ।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा झटका साबित हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए इन चुनावों को बड़ी परीक्षा माना जा रहा था। क्योंकि अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए जिसका सीधा असर न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति पर पड़ा, बल्कि अमेरिका के भीतर भी सवाल खड़े होने लगे कि क्या दुनिया का सबसे बड़ा यह लोकतांत्रिक देश नफरत और हिंसा का प्रतिनिधि बनकर रह जाएगा। गौरतलब है कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा बुलंद करते हुए नयी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसकी चपेट में भारत समेत कई देश आए। अमेरिका में काम करने, नागरिकता हासिल करने और वीजा के नए कड़े नियम बना दिए, जिसका असर लाखों लोगों पर पड़ा। ईरान पर इजरायल के कहने से ट्रंप ने हमला बोला, जिसकी वजह से न केवल हजारों निर्दोषों की मौत हुई, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर पाबंदी लगाने को ईरान मजबूर हुआ और इसका खामियाजा सारी दुनिया ने भुगता। ईरान के मीनाब शहर में बच्चियों के स्कूल पर अमेरिकी हमले के बारे में अमेरिका में सवाल उठे, लेकिन ट्रंप ने इस पर जवाब नहीं दिया। वेनेजुएला में राष्ट्रपति मादुरो निकोलस के सुरक्षा गार्डों को रिश्वत देकर अपने साथ मिलाना और फिर उन्हें पत्नी समेत अगवा कर लेने का काम ट्रंप ने किया, मानो दुनिया अब भी मध्यकाल में जी रही है। कई देशों के आंतरिक मामलों या चुनावों में दखल देने का काम अमेरिका हमेशा ही करता रहा है, ट्रंप ने इस रवायत को बरकरार रखा, हालांकि इससे उनका अपना ही नुकसान हुआ। बहरहाल, अब जो मध्यावधि चुनावों के नतीजे आए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट, दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब ट्रंप के लिए बचे दो सालों का कार्यकाल खासा मुश्किल होने लगा है। वैसे अमेरिकी संविधान में श्सेपरेशन ऑफ पावरश की व्यवस्था है। यानी शक्तियों का बंटवारा है। संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति की शक्तियां अलग–अलग हैं और कोई किसी के काम में दखल नहीं दे सकता। खास बात ये है कि राष्ट्रपति संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं है। इसलिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा में करारी हार के बावजूद राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की कार्यकारी शक्तियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अब वो कोई कानून अपनी मर्जी से पास नहीं करवा पाएंगे। इसके लिए संसद की जरूरत होती है। डेमोक्रेट्स की संख्या 90 होने के कारण, उनके सभी बिल रोक दिए जाएंगे। दूसरी बात, बजट पर संसद का नियंत्रण होता है। तो ट्रंप के लिए मागा जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए कोई फंडिंग नहीं मिल पाएगी। वहीं व्यापार समझौतों और युद्ध के लिए फंडिंग के वास्ते संसद की मंजूरी जरूरी होगी, तो यहां भी मर्जी नहीं चल पाएगी। तीसरी बात जजोंध्अधिकारियों की मनमानी नियुक्ति नहीं कर पाएंगे, सीनेट उनके द्वारा चुने गए नामों को रोक देगी। ट्रंप पर अब महाभियोग का खतरा बढ़ सकता है। एपस्टीन फाइल्स जैसे कुछ मामलों में डेमोक्रेट्स जांच शुरू कर सकते हैं और महाभियोग की प्रक्रिया भी ला सकते हैं। इन नतीजों में कुछ चौंकाने वाले नतीजे आए हैं। जैसे डेमोक्रेट्स ने कई ऐसे राज्यों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन का मजबूत इलाका माना जाता रहा है। टेक्सास, साउथ कैरोलाइना, आयोवा और कंसास जैसे राज्यों में उनकी सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों को भी हार का सामना करना पड़ा, जिन्हें ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। मिशिगन सीट से जीत कर डेमोक्रेट अब्दुल अल सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अब्दुल के खिलाफ काफी नफरती टिप्पणी की थी। इस पर अब्दुल ने अब तंज कसते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप को मेरा नाम लेने में दिक्कत होती थी, अब वह मुझे सीनेटर कह सकते हैं। इसी तरह इल्हान उमर पांचवी बार जीती हैं, उन्हें मिनेसोटा से भारी जीत हासिल हुई है। ट्रंप ने इल्हान उमर की शादी को लेकर भी काफी सवाल उठाए थे। इल्हान उमर की नागरिकता की जांच भी चल रही है। इसके बावजूद उन्हें जीत मिली। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक पार्टी की केइसा लांस बॉटम्स ने इतिहास रच दिया है। केइसा लांस बॉटम्स पहली अश्वेत महिला हैं जो अमेरिका में किसी राज्य की गवर्नर चुनी गई हैं। तो ऐसे कई बड़े उलटफेर हुए हैं, जिन पर कहा जा रहा है कि यह सब ट्रंप की नीतियों से जनता की नाराजगी के परिणाम हैं। ट्रंप ने अपने भाषणों और बयानों में काफी व्यक्तिगत हमले लोगों पर किए, लेकिन अमेरिकी जनता ने इस बार अपने उदार चरित्र को दिखाया है। ट्रंप ने भी अब जनता की मर्जी को स्वीकार कर लिया है। वैसे भी उनका यह अंतिम कार्यकाल है, दो बार के बाद तीसरी बार राष्ट्रपति का चुनाव वो नहीं लड़ेंगे, लेकिन ट्रंप के कारण रिपब्लिकन पार्टी को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में वक्त लगेगा। ट्रंप ने अब मान लिया है कि ईरान पर युद्ध के कारण जनता ने साथ नहीं दिया। ट्रंप ने कहा भी है कि अब ईरान पर हमला नहीं होगा, न ही इजरायल को आर्थिक मदद दी जाएगी। ईरानी संसद के अध्यक्ष एम बी गालिबाफ ने भी कहा है कि चाहे अंतरात्मा की आवाज हो या जीवन–यापन का सवाल, अमेरिकियों ने युद्ध को ना कहा है, और हम इस संदेश का समर्थन करते हैं।

तमसो मा ज्योतिर्गमय: बाह्य से अभ्यंतर की यात्रा

भारतीय संस्कृति को यदि एक शब्द में कहना हो तो वह अंधकार से प्रकाश की ओर, जड़ता से चेतना की ओर और बंधन से मुक्ति की ओर निरंतर यात्रा है। यह यात्रा केवल बाहर घटने वाली घटना नहीं, भीतर घटने वाला रूपांतरण है। इस समूची यात्रा का सघनतम सूत्र वैदिक ऋषि ने बृहदारण्यक उपनिषद् में एक प्रार्थना में बाँध दिया – 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय' अर्थात् मुझे असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। दीपोत्सव इसी मंत्र का साकार उत्सव है। कार्तिक की सघन अमावस्या, जो वर्ष की सबसे गहरी रात मानी जाती है, उसी रात पंक्तिबद्ध दीपों का जल उठना इसी प्रार्थना का उत्तर है।

उपनिषद् में तमस को तीन स्तरों पर देखा गया है। पहला बाह्य तम, जो आँखों से दिखता है और दीपक के अभाव में अनुभव होता है। दूसरा बौद्धिक तम, जो अज्ञान, भ्रम, पूर्वाग्रह और मिथ्या धारणाओं के रूप में मन में बसता है और सत्य को देखने नहीं देता। तीसरा आत्मिक तम, जो अहंकार, द्वेष, लोभ और मोह के रूप में आत्मा को आच्छादित कर लेता है। भारतीय मनीषा की सबसे बड़ी मौलिकता यह है कि वह कहती है अंधकार का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं, वह केवल प्रकाश के अभाव का नाम है। इसलिए अंधकार से लड़ना नहीं है, एक दीप जला देना है। उसी परम ज्योति का संकेत करते हुए श्रुति कहती है – ृतमेव भान्तमनुभाति सर्वं तस्य भासा सर्वमिदं विभाति' अर्थात् वह प्रकाशित होता है तो सब प्रकाशित होते हैं, उसी के प्रकाश से यह संपूर्ण जगत प्रकाशित है।वही सभी ज्योतियों की ज्योति है।गीता में इसी को ज्ञान की ज्योति कहा गया –ृन हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' अर्थात् इस लोक में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला और कुछ नहीं, और वही ज्ञान सच्ची ज्योति है।

भारत में दीप केवल मिट्टी का पात्र नहीं, एक संपूर्ण जीवन–दर्शन है। वह स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, यह त्याग का प्रतीक है। नीचे कालिख छोड़कर ऊपर प्रकाश देता है, यह उदात्तता का प्रतीक है। पवन के झकोरों में भी स्थिर रहता है, यह निष्ठा का प्रतीक है। लघु होकर भी महान अंधकार को चुनौती देता है, यह साहस का प्रतीक है। और एक दीप से हजार दीप जल जाते हैं फिर भी मूल दीप घटता नहीं, यह भारतीय संस्कृति के उस ज्ञान का प्रतीक है जो बाँटने से बढ़ता है। इसीलिए सायंकाल हमारे घरों में आज भी लोक–कंठ से दो प्रार्थनाएँ स्वतः फूट पड़ती हैं – ृदीपज्योतिः परं ब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तुतेद्य और ृशुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसम्पदः। शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तुतेद्य अर्थात् हे दीपज्योति, तुम परब्रह्म हो, तुम जनार्दन हो, तुम मेरे पाप का हरण करो, तुम शुभ, कल्याण, आरोग्य और संपदा देने वाली हो। दीप को ब्रह्म मानकर नमन करना यह बताता है कि भारत में प्रकाश की उपासना जड़ की नहीं, चेतना की उपासना है।

दीपोत्सव केवल एक दिन का पर्व नहीं, अनेक प्रकाश–कथाओं का संगम है। रामायण परम्परा में चौदह वर्ष के वनवास और रावण–रूपी तम पर विजय के पश्चात भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर अयोध्यावासियों ने घृत–दीपों से नगर को जगमग किया, वह असत्य पर सत्य की विजय का दीपोत्सव था। पुराण परम्परा में कार्तिक अमावस्या को समुद्र–मंथन से लक्ष्मी–प्राकट्य और भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर वध का दिवस माना गया। इसी तिथि का संबंध भारत की समावेशी परम्पराओं से भी है। जैन परम्परा में इसी दिन भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया, इसलिए वहाँ यह ज्ञान–दीपों का पर्व है। सिख परम्परा में छठे गुरु श्री हरगोबिन्द जी की ग्वालियर किले से मुक्ति और अमृतसर आगमन की स्मृति में दीपमाला सजती है। बौद्ध परम्परा में सम्राट अशोक की धर्म–विजय से इस तिथि को जोड़ा जाता है। एक ही अमावस्या पर इतने प्रकाश–उत्सवों का मिलना ही भारतीय संस्कृति की अनेकता में एकता है। अयोध्या में सरयू तट पर लाखों मिट्टी के दीपों का एक साथ जलना और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनना इसी सामूहिक संकल्प का आधुनिक प्रमाण है कि संगठित प्रकाश के सामने कोई तम टिक नहीं सकता।

इस दृष्टि से दीपावली पाँच पर्वों में निबद्ध एक जीवन–संस्कार है। धनतेरस आरोग्य के देवता धन्वंतरि का स्मरण है, जो याद दिलाता है कि पहला सुख निरोगी काया है। नरक चतुर्दशी बाहर के कचरे के साथ अंतस के आलस्य, ईर्ष्या और दुर्गुणों की सफाई का दिन है। दीपावली के दिन लक्ष्मी और गणेश का साथ–साथ पूजन होता है, यह संदेश है कि समृद्धि के साथ विवेक अनिवार्य है, विवेकहीन लक्ष्मी चंचल है और श्रीहीन विवेक असहाय। गोवर्धन–अन्नकूट प्रकृति, गोवंश और अन्न के प्रति कृतज्ञता का पर्व है, जो वैदिक पर्यावरण–बोध का रूप है। भाईदूज संबंधों में स्नेह की ज्योति को प्रगाढ़ करने का पर्व है। इस संपूर्णता को कबीर ने जीवन–दीप के रूपक में अत्यंत सटीक कहा है – ृदीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट । पूरा किया बिसाहुना, बहुरि न आवै हट्टद्य अर्थात् जैसे व्यापारी तेल और बाती से दीया भरकर अपना बिसाहना पूरा करता है और फिर हाट में नहीं लौटता, वैसे ही यह मानव जीवन भी एक दीपक है, इसे ज्ञान के तेल से भर लेना है।

दीपोत्सव का सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पक्ष भी अत्यंत प्रबल है। वर्षा ऋतु के बाद घरों की लिपाई–पुताई और शुद्धिकरण एक प्रकार का प्राचीन स्वच्छता अभियान था। कार्तिक में तेल के दीप जलाने से प्रकाश के साथ कीट–पतंगे भी आकर्षित होकर नष्ट होते थे, यह लोक–स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी था। मनोवैज्ञानिक रूप से अमावस्या का घना अंधकार स्वाभाविक रूप से विषाद लाता है। ठीक उसी रात दीप जलाकर हमारे ऋषियों ने उपचार दिया कि निराशा के क्षण में ही आशा का दीप जलाओ। हिन्दी कविता ने इस भाव को बार–बार गाया है। महादेवी वर्मा अपने दीपगीत ृदीपशिखाृ 1942 में कहती हैं – ृमधुर मधुर मेरे दीपक जल! युग युग प्रतिदिन प्रतिक्षण प्रतिपल, प्रियतम का पथ आलोकित कर! जहाँ महादेवी का दीप आत्म–समर्पण और साधना का प्रतीक है, वहीं अज्ञेय अपने प्रसिद्ध गीत ृयह दीप अकेलाृ में व्यक्ति और समष्टि का दर्शन देते हैं – ृयह दीप अकेला स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो! अकेला दीप भी गर्व से जलता है, पर पंक्ति में मिलकर वह महोत्सव बन जाता है, यही समाज का दर्शन है।

आज के संदर्भ में तमस ने केवल रूप बदला है। आज अंधकार बिजली न होने का नहीं, विवेक न होने का है। असत्य सूचना और अफवाह का तम, पर्यावरण प्रदूषण का तम, अवसाद, एकाकीपन और अविश्वास का तम, संबंधों में स्वार्थ का तम और उपभोग की अंधी दौड़ का तम। ऐसे में तमसो मा ज्योतिर्गमय केवल मंत्र नहीं, जीवन–प्रविधि है। जब एक विद्यार्थी नकल के तम को छोड़ परिश्रम का दीप जलाता है, जब एक व्यक्ति ईर्ष्या के तम को छोड़ मैत्री का दीप जलाता है, जब हम दिखावटी आतिशबाजी, प्लास्टिक की झालरों और तेज ध्वनि के तम को छोड़ मिट्टी के दिये, तेल और प्रेम के प्रकाश को अपनाते हैं, तभी सच्ची दीपावली होती है। भगवान बुद्ध का अंतिम उपदेश भी यही था – ृअप्प दीपो भवृ – तुम स्वयं अपने दीप बनो। बाहर का कोई दीप तुम्हारे भीतर के तम को नहीं मिटा सकता जब तक तुम स्वयं न जलो।

दीपोत्सव हमें स्मरण कराता है कि प्रकाश बाहर से नहीं आता। मिट्टी, बाती, तेल सब बाहर के हैं, पर उन्हें प्रज्वलित करने वाली चेतना भीतर की है। दीपावली की रात हम केवल घर नहीं, मन भी सजाते हैं। अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, एक छोटे से दीप को जलाने का साहस ही उसे पराजित करने के लिए पर्याप्त है। यही भारतीय संस्कृति का आशावाद है और यही बाह्य के तम से भीतर की ज्योति तक की यात्रा की पूर्णता है।



–डॉ० अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग, उ०प्र०

प. बंगाल में संघ संगठनों के हमलों से असुरक्षित महसूस कर रहे ईसाई

आशीष विश्वास

हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल में ईसाई समुदाय ने शायद ही कभी शारीरिक हमलों या धर्म से जुड़े तनावों की शिकायत की हो। ईसाई संगठनों ने कभी–कभी उत्तर प्रदेश या ओडिशा में अल्पसंख्यक समूहों के सामने आने वाली कठिनाइयों या भेदभाव का जिक्र अपने सार्वजनिक बयानों और आधिकारिक शिकायतों में किया है, खासकर हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बाद। परन्तु अब संघ संगठनों के बढ़ते हमलों के बीच वे स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के महज छह महीने के भीतर हालात काफी खराब हो गए हैं कृ ऐसा पूर्वोत्तर भारत के प्रभावशाली ईसाई संगठनों का मानना है। आमतौर पर, ये संगठन पड़ोसी राज्यों या क्षेत्रों के संवेदनशील मुद्दों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। वे मुख्य रूप से श्सतबहनी राज्योंच (पूर्वोत्तर के सात राज्यों) में जातीय हिंसा से जुड़ी स्थानीय घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। न केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र के समुदाय के नेता या बुजुर्ग, बल्कि कुछ ईसाई बहुल राज्यों के अंग्रेजी मीडिया ने भी इस बात पर गौर किया है कि पश्चिम बंगाल में अचानक सामूहिक हिंसा भड़क उठी है, जिससे ईसाई समुदाय प्रभावित हो रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र की हालिया रिपोर्टों और विश्लेषणों में राज्य और केंद्र की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और राजनीतिक नेताओं से आग्रह किया गया है कि वे पश्चिम बंगाल की स्थिति पर ध्यान दें। पूरे देश के ईसाइयों के बीच इस बात को लेकर गहरी चिंता है कि समुदाय के खिलाफ शारीरिक हमलों और हिंसा में अचानक भारी वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल मई से सितंबर के बीच पश्चिम बंगाल में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 65 घटनाएं सामने आई हैं। इसके विपरीत, 2025 में जनवरी से अप्रैल के बीच ऐसी केवल 11 घटनाएं सामने आई थीं। हालांकि पूर्वोत्तर के मीडिया में दिए गए आंकड़े कानून–व्यवस्था की स्थिति में भारी गिरावट की ओर इशारा करते हैं, लेकिन साल–दर–साल तुलना के लिए कोई ठोस विश्लेषण नहीं दिया गया है, जिसका कारण स्पष्ट नहीं है। इस बात का भी जिक्र किया गया है कि आमतौर पर पश्चिम बंगाल को धार्मिक मुद्दों पर होने वाली भीड़ की हिंसा जैसी चिंताजनक प्रवृत्तियों से मुक्त राज्य माना जाता था। विश्लेषकों ने पश्चिम बंगाल में ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी)जैसे हिंदुत्व समर्थक समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। हाल ही में सत्ता में आई भाजपा – जिसे आमतौर पर एक दक्षिणपंथी पार्टी माना जाता है– का कामकाज, चाहे वह प्रशासन का मामला हो या अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का, पूरी तरह से असंतोषजनक रहा है। उन समूहों और उनके नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है, जो मुख्य रूप से निर्दोष अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले की योजना बनाते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं। पश्चिम बंगाल में इन आरोपों पर प्रशासनिक या राजनीतिक स्तर पर कोई खास प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली है। कोलकाता भारत में एंग्लो–इंडियन संगठनों का मुख्यालय है और इसके स्थानीय नेता, पारितोष कैनिंग, पिछले कई वर्षों से सत्ताधारी प्रतिष्ठानों के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए हैं। एंग्लो–इंडियन समुदाय के शीर्ष संगठन ने कुछ दिन पहले राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ अपने समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और कुछ मांगें रखीं। लेकिन, पूर्वोत्तर के ईसाइयों द्वारा हिंदुत्व समूहों के हमलों को लेकर उठाए गए मुद्दों का इसमें कोई जिक्र नहीं था। राजनीतिक स्तर पर भी, वीएचपी या बजरंग दल जैसे संगठनों ने स्थानीय मीडिया में सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें पूर्वोत्तर के ईसाई संगठनों द्वारा लगाए गए आरोपों का कड़ा खंडन किया गया। इन रिपोर्टों में दावा किया गया है कि स्पष्ट कानूनों और नियमों के बावजूद, हाल के वर्षों में कुछ ईसाइयों और मिशनरियों ने विशेष रूप से पिछड़े सीमावर्ती इलाकों और दूरदराज के गांवों में रहने वाले गरीब आदिवासियों के बीच बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का अभियान चलाया है। धर्मांतरण के ज्यादातर मामलों में पैसे देने या अन्य तरह की मदद पहुंचाने की बात सामने आई है। यहां तक कि कोलकाता और छोटे शहरों में भी, सुनियोजित तरीके से चलाए जा रहे इन मिशनरी प्रयासों का असर देखने को मिला है। उदाहरण के लिए, उत्तर और दक्षिण कोलकाता के कई निवासियों को समय–समय पर न्यूज लेटर या अन्य प्रकाशित सामग्री मिलती रही है। इनमें भारत के विभिन्न हिस्सों में गरीब लोगों के बीच ईसाई संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों, या बाईबिल की प्रेरणादायक कहानियों का जिक्र होता है। कोलकाता के कई इलाकों में स्थानीय एनजीओ ने बताया है कि वहां के पार्कों में क्रिसमस का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बच्चों और युवाओं के बीच उपहार बांटे गए, जबकि बच्चों के प्रशिक्षित गायन समूहों ने धार्मिक गीत आदि गाए।

धनत्रयोदशी पर्व विशेष

शुभ मंगलमय आज है, धन–त्रयोदशी पर्व।
धन–वर्षा सर्वत्र हो, आनंदित हों सर्व।।

धन्वंतरि रक्षा करें, मिटें त्रिदोष–विकार।
स्वस्थ रहे तन–मन सदा, उत्तम रहे विचार।।

धनतेरस के दिन करें, धन्वंतरि का ध्यान।
पीतांबरधारी पुरुष, करते आयुष्मान।।

धनतेरस के पर्व का, मिले हमें उपहार।
सुख–समृद्धि रहे विपुल, भरें अन्न–भंडार।।

एक दीप घर में जले, करे अँधेरा दूर।
माँ लक्ष्मी का वास हो, वैभव हो भरपूर।।

डॉ. नीलिमा मिश्रा 'नीलम'
प्रयागराज

एक ही मंच पर सीएम विजय के साथ फिर दिखीं एक्ट्रेस त्रिशा कृष्णन... शादी रिसेप्शन में दोनों की तस्वीरें वायरल



चेन्नई में राजनेता वाईएस अनिल रेड्डी की बेटी के शादी के रिसेप्शन में गुरुवार, 5 नवंबर को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय और उनकी दोस्त व अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन शामिल हुईं। अनिल रेड्डी, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई हैं। चेन्नई के द लीला पैलेस में आयोजित इस रिसेप्शन के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। विजय और त्रिशा को मंच पर जाकर नवविवाहित जोड़े, श्रेया और उज्ज्वल को बधाई देते और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते देखा गया। विजय ने सफेद शर्ट के साथ भूरे रंग का सूट पहना था, जबकि त्रिशा ने हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहनी थी। विजय की मां, शोभा चंद्रशेखर भी उनके साथ इस कार्यक्रम में मौजूद थीं। एक वीडियो में, विजय को जगन मोहन रेड्डी के साथ बातचीत करते और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते देखा जा सकता है। जगन अपनी पत्नी वाईएस भारती के साथ शादी समारोह में शामिल हुए। इस जोड़े ने नवविवाहितों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखी व शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। जगन की मां, वाईएस विजयम्मा भी वहां मौजूद थीं। शादी में जाने–माने उद्योगपति गौतम अडानी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव भी अपनी पत्नी शलिमा के साथ मेहमानों के रूप में शामिल हुए। इनके अलावा कई अन्य राजनीतिक और व्यावसायिक हस्तियां तथा परिवार के सदस्य भी इस समारोह में मौजूद थे। विजय और त्रिशा, जो शलियोश सहित कई फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं, जब भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में एक साथ नजर आते हैं, तो अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं। इससे पहले, मार्च में चेन्नई में उद्यमी और फिल्म निर्माता कलपति एस. सुरेश और मीनाक्षी सुरेश के बेटे के शादी के रिसेप्शन में भी इन दोनों को एक साथ देखा गया था। यह घटना विजय की पत्नी संगीता द्वारा तलाक की अर्जी दाखिल करने के कुछ समय बाद हुई थी। बाद में संगीता ने अपना केस वापस ले लिया था। मई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में भी त्रिशा उनके परिवार के साथ शामिल हुई थीं। बाद में सितंबर में, उन्हें यूनाइटेड किंगडम के सिल्वरस्टोन सर्किट में उनके साथ देखा गया, जहाँ अभिनेता अजित कुमार ने मिशेलिन ले मैन्स कप में हिस्सा लिया था।

> चेन्नई के द लीला पैलेस में आयोजित इस रिसेप्शन के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। विजय और त्रिशा को मंच पर जाकर नवविवाहित जोड़े, श्रेया और उज्ज्वल को बधाई देते और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते देखा गया।

अमिताभ बच्चन के जलसा से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज तक बम की धमकी, मुंबई में मचा हड़कंप- हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां



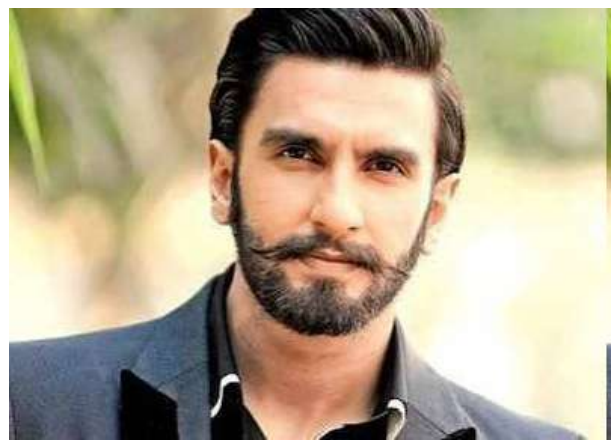
दिवाली से पहले मुंबई में कई अहम जगहों बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा, बॉम्बे हाई कोर्ट और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) – को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे शहर को अलर्ट पर रखा गया है। कोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें इन तीन जगहों के अलावा वर्ली रेसकोर्स पर भी बम हमले की चेतावनी दी गई है। धमकी मिलने के बाद, मुंबई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ईमेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। गौरतलब है कि यह अमिताभ बच्चन को निशाना बनाने वाली दूसरी धमकी है। 22 अक्टूबर को शहर के एक स्कूल को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था, जिसमें इस दिग्गज अभिनेता का नाम लिया गया था। उस समय, अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि बच्चन को कोई सीधी ध्मकी नहीं मिली थी। इस घटना के बाद, रविवार को मुंबई स्थित अपने घर के बाहर अमिताभ बच्चन का हमेशा की तरह लोगों के सामने आना कुछ अलग रहा – वे एक सुरक्षात्मक कांच की दीवार के पीछे खड़े थे, और उनके साथ उनके बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। इस नजारे को देखते हुए, ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने की मांग की और बॉलीवुड सितारों तथा उनके परिवारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। ये ताजा घटनाएं मशहूर हस्तियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सामने आई हैं। इससे पहले 18 अक्टूबर को अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। केवल इसी हफ्ते, अभिनेता तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को बिश्नोई गैंग के नाम से धमकियां मिलीं। पुलिस अभी भी इन धमकियों की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश कर रही है। बुधवार को मुंबई क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु के रहने वाले एक 30 वर्षीय आई इंजीनियर को गिरफ्तार किया, जिसने कपूर और खुराना को धमकियां भेजी थीं। शुरुआती जांच में बिश्नोई गैंग के साथ उसके किसी भी तरह के संबंध का कोई सबूत नहीं मिला है।



`रामायणम' की पहले दिन वर्ल्डवाइड कमाई 155 करोड़ के पार, दिवाली से पहले बनाया नया रिकॉर्ड

दिवाली से पहले सिनेमाघरों में दर्शकों की कम भीड़ रहने की धारणा को तोड़ते हुए 'रामायणम पार्ट वन' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर में रिलीज हुई नितेश तिवारी की इस फिल्म ने पहले ही दिन 155 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया। इस कमाई के साथ फिल्म ने दिवाली से पहले रिलीज होने वाली भारतीय फिल्मों की ओपनिंग के मामले में नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म को लेकर रिलीज से पहले ही काफी चर्चा थी और सिनेमाघरों में शुरुआती शोज से ही दर्शकों की अच्छी मौजूदगी देखने को मिली।नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी 'रामायणम' ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 155 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। मेकर्स के मुताबिक, दिवाली से पहले किसी भारतीय फिल्म की यह अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय महाकाव्य की कहानी को बड़े पैमाने पर पर्दे पर उतारने वाली इस फिल्म को देश ही नहीं, विदेशों में भी दर्शकों के सामने पेश किया गया है। फिल्मों के लिहाज से दिवाली से ठीक पहले का समय अक्सर चुनौतीपूर्ण माना जाता है। इस दौरान लोग त्योहार की तैयारियों में व्यस्त रहते हैं। घरों की सफाई और सजावट से लेकर खरीदारी और यात्रा की योजनाओं तक, कई कामों के चलते लोग सिनेमाघरों में जाने का कार्यक्रम टाल देते हैं। यही वजह है कि इस अवधि में रिलीज होने वाली फिल्मों की ओपनिंग पर असर पड़ता रहा है। लेकिन 'रामायणम' ने इस ट्रेंड को पीछे छोड़ते हुए पहले दिन ही बड़ी संख्या में दर्शकों को सिनेमाघरों तक पहुंचाया। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिवाली के आसपास रिलीज हुई फिल्मों की पहले दिन की सबसे ज्यादा ऑल इंडिया नेट कमाई 40 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 94 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, 'रामायणम' ने पहले दिन 155 करोड़ रुपये की दुनियाभर में ग्रॉस कमाई कर इस आंकड़े को पार कर लिया। फिल्म की शुरुआत ने बॉक्स ऑफिस पर एक नया मानक स्थापित किया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायणम' को दो भागों में रिलीज करने की योजना है। पहले भाग में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और रवि दुबे मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा और यश के प्रोडक्शन बैनर के सहयोग से किया गया है। पहले दिन की रिकॉर्डतोड़ कमाई के बाद अब फिल्म के आने वाले दिनों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी।

> फिल्म को लेकर रिलीज से पहले ही काफी चर्चा थी और सिनेमाघरों में शुरुआती शोज से ही दर्शकों की अच्छी मौजूदगी देखने को मिली।नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी 'रामायणम' ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन १५५ करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया।



यह क्रिकेट का मैदान है... आजाद मैदान में रणवीर सिंह की प्रलय की शूटिंग पर मचा बवाल

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म प्रलय इन दिनों चर्चा में है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में चल रही है और निर्माता कहानी को असली जगहों पर फिल्माने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब मुंबई के आजाद मैदान में हुई शूटिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, आजाद मैदान में युवा खिलाड़ी क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं और यहां कई टूर्नामेंट भी आयोजित होते हैं। ऐसे में फिल्म की शूटिंग के कारण क्रिकेट मैच प्रभावित होने पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने नाराजगी जताई है।

प्रलय की शूटिंग के कारण टालने पड़े क्रिकेट मैच

मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म प्रलय के निर्माताओं को आजाद मैदान में छह घंटे तक शूटिंग करने की अनुमति दी गई थी। लेकिन इस शूटिंग की वजह से अंडर–14 और अंडर–16 के स्कूली क्रिकेट मैच प्रभावित हुए। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आजाद मैदान में पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग की अनुमति दी गई है। इस फैसले पर एमसीए ने सवाल उठाए हैं।

यह क्रिकेट का मैदान है, फिल्म की शूटिंग की जगह नहीं

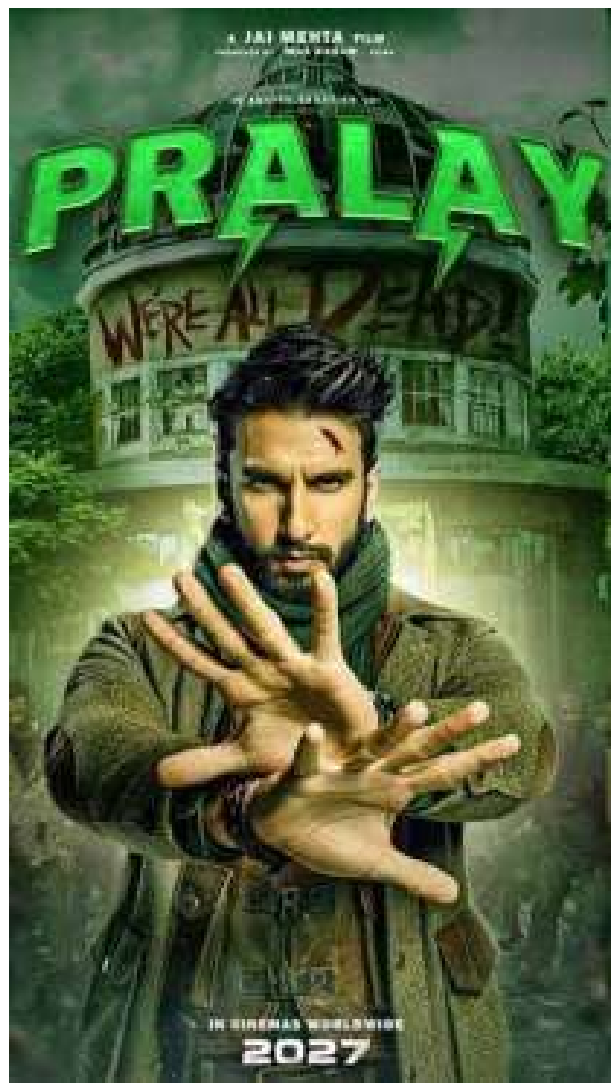
एमसीए की शीर्ष परिषद के सदस्य नदीम मेमन ने शूटिंग को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ष्आजाद मैदान में पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग हुई है। प्रलय की शूटिंग के लिए यहां बड़े–बड़े सेट लगाए गए और नकली घास बिछाई गई। यह फिल्म की शूटिंग की जगह नहीं, बल्कि क्रिकेट का मैदान है, जहां खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए अपनी प्रतिभा को निखारते हैं। नदीम मेमन ने आगे कहा कि शूटिंग की वजह से उनके चल रहे टूर्नामेंट प्रभावित हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा? उनका कहना है कि किसी व्यावसायिक फिल्म की शूटिंग की अनुमति देकर क्रिकेट के मैदान का इस तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

खेल विभाग पर भी उठाए सवाल

नदीम मेमन ने खेल विभाग के फैसले पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के कारण आजाद मैदान की खेल संस्कृति प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा, ष्खेलों को बढ़ावा देने के बजाय विभाग मैदान की व्यावसायिक बुकिंग की अनुमति दे रहा है। हम युवा क्रिकेटरों को तैयार करने और कई अंतरराज्यीय टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन फिल्म की शूटिंग के कारण हमें मैच टालने पड़े। खेल विभाग इसकी अनुमति कैसे दे सकता है?

क्या है रणवीर सिंह की फिल्म प्रलय?

प्रलय एक ऐसी रोमांचक फिल्म है, जिसकी कहानी बड़ी तबाही के बाद की दुनिया पर आधारित है। इसमें दिखाया जाएगा कि तबाही के बाद लोग जिंदा रहने के लिए किस तरह संघर्ष करते हैं। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। इसमें रणवीर सिंह के साथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग मुंबई की असली जगहों पर की जा रही है। हालांकि, आजाद मैदान में शूटिंग को लेकर उठे विवाद के बाद यह फिल्म एक बार फिर चर्चा में आ गई है।





शुक्र प्रदोष व्रत पर प्रदोष काल में करें शिव परिवार की विशेष पूजा और आरती

शुक्रवार को पड़ने वाली त्रयोदशी तिथि पर शुक्र प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस दिन प्रदोष काल में भगवान शिव और मां पार्वती की विधिवत पूजा करने से जीवन में सुख–समृद्धि आती है। भक्त मंत्र जाप और आरती के बाद सात्विक आहार ग्रहण कर व्रत का पारण करते हैं।

इस बार आज यानी की 06 नवंबर को शुक्र प्रदोष व्रत किया जा रहा है। शुक्रवार को पड़ने वाली त्रयोदशी तिथि पर किए जाने व्रत को शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन शिव पार्वती की पूजा–अर्चना करने से जीवन में सुख–शांति और समृद्धि आती है। इस दिन कई लोग व्रत करते हैं और शाम को प्रदोष काल में शिव परिवार की पूजा–अर्चना करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि शुक्र प्रदोष व्रत कैसे शुरू करें, इसकी पूजन विधि और महत्व आदि के बारे में...

ऐसे करें शुक्र प्रदोष व्रत की शुरुआत

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें। फिर घर के मंदिर की साफ–सफाई करने के बाद भगवान शिव और मां पार्वती के सामने दीपक जलाएं। अब हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें और शिव का ध्यान करते हुए पूरा दिन व्रत करें। फिर शाम को विधिविधान से शिव परिवार की पूजा–अर्चना करें और अपनी श्रद्धानुसार फलाहार या निराहार व्रत रखें।

इन बातों का रखें ध्यान

व्रत में मन को शांत रखने और अच्छे विचारों को अपनाने की कोशिश करनी चाहिए। इस दिन भोलेनाथ के मंत्रों का जाप करें और शिव चालीसा का पाठ करें। वहीं सुविधानुसार दूध, फल या अन्य सात्विक आहार ले सकते हैं।

प्रदोष काल में करें शिव पूजन

शुक्र प्रदोष व्रत की मुख्य पूजा शाम को प्रदोष काल में की जाती है। इस दौरान पूजा स्थल पर भगवान शिव और मां पार्वती की प्रतिमा को स्थापित करें। सबसे पहले दीपक जलाएं और भोलेनाथ को जल, दूध, बेलपत्र, सफेद फूल, फल और अक्षत आदि अर्पित करें। फिर देवी पार्वती की पूजा करें और शिव मंत्र श्ऊँ नमरू शिवायश मंत्र का जाप करें। इसके बाद शुक्र प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें।

जानिए कौन सी आरती करें

पूजा के अंत में भगवान शिव की आरती श्ऊँ जय शिव ओंकाराश करें। फिर देवी पार्वती और शिव परिवार का मन में स्मरण करते हुए घर–परिवार की सुख–शांति की प्रार्थना करें। इसके बाद श्रद्धानुसार जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं और उपयोगी वस्तुओं का दान करें।

ऐसे करें शुक्र प्रदोष व्रत का पारण

शाम की पूजा और आरती करने के बाद भक्तों को अपनी पारिवारिक परंपरा के हिसाब से व्रत का पारण करना चाहिए। सात्विक और फलाहार भोजन करके व्रत का पारण किया जा सकता है। इस तरह से सरल विधि से शुक्र प्रदोष व्रत पूरा किया जा सकता है।

दिवाली की मिठाइयों और जंक फूड का नहीं होगा सेहत पर असर, बस अपनाएं ये टिप्स



दिवाली खुशियों, रोशनी और पकवानों का त्योहार है। इस दौरान मिठाइयों और तली–भुनी चीजों का अधिक सेवन, बदलती दिनचर्या और बढ़ता वायु प्रदूषण सेहत पर असर डाल सकते हैं। ऐसे में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखना बेहद जरूरी हो जाता है। सही खान–पान और कुछ आसान आदतों को अपनाकर आप त्योहारों के मौसम में भी खुद को स्वस्थ रख सकते हैं। आइए जानते हैं, इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये 7 चीजें।

विटामिन–सी से भरपूर फल

विटामिन–सी शरीर के इम्यून सिस्टम को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। यह एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और आयरन के अवशोषण में भी सहायक होता है। इसके लिए अपनी डाइट में संतरा, नींबू, आंवला और अमरूद जैसे फल शामिल करें।

विटामिन–ए

यह विटामिन पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है और श्वसन संबंधी संक्रमण को कम करता है। विटामिन–ए, दृष्टि के लिए भी आवश्यक है और यह त्वचा की स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। गाजर, पालक और सीताफल जैसी सब्जियां विटामिन–ए का अच्छा स्रोत हैं, जो प्रतिदिन की डाइट में शामिल की जा सकती हैं।

विटामिन–ई

विटामिन–ई शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी को दूर करता है, जिससे मांसपेशियों में दर्द और तनाव कम होता है। यह हृदय स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने में सहायक है। त्यौहारों के दौरान थकान से बचने के लिए नट्स और सीड्स का सेवन करें, जो विटामिन–ई के अच्छे स्रोत होते हैं और ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करते हैं।

प्रोबायोटिक्स

ये गुड बैक्टीरिया आपकी गट हेल्थ के लिए आवश्यक होते हैं। ये आपके पाचन तंत्र को संतुलित रखते हैं और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दही, अचार और फर्मेंटेड फूड्स का सेवन करें, जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने में मदद करेंगे और पेट की समस्याओं को दूर रखते हैं।

विटामिन–डी

धूप विटामिन–डी का सबसे अच्छा स्रोत है। यह शरीर के कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाता है, जो हड्डियों की मजबूती के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, अपनी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें जो विटामिन–क से भरपूर हों, जैसे कि मछली और अंडे। धूप में समय बिताना न भूलें, खासकर सुबह की धूप, जो आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

जिंक

जिंक की कमी से इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है और यह कई शारीरिक क्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है, और इसके पर्याप्त सेवन से संक्रमण से बचने में मदद मिलती है। मांसाहारी लोग मछली और चिकन का सेवन कर सकते हैं, जबकि शाकाहारी लोग दालों को अपनी डाइट में शामिल करें, जो जिंक का अच्छा स्रोत हैं।

हाइड्रेशन

शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखना बेहद जरूरी है, खासकर त्योहारों के दौरान जब खाने–पीने का अधिक सेवन होता है। इसके लिए पानी का सेवन बढ़ाएं और फलों का सेवन करके एक्स्ट्रा हाइड्रेशन प्राप्त करें। ताजे फलों के जूस भी हाइड्रेशन में मदद करते हैं और ऊर्जा प्रदान करते हैं। दिवाली के त्योहार पर मिठाइयां और नमकीन का सेवन सामान्य है, लेकिन इनसे स्वास्थ्य पर प्रभाव न पड़े, इसके लिए ऊपर बताए गए उपायों को अपनाना आवश्यक है। सही आहार और हाइड्रेशन से आप त्योहारों का मजा लेते हुए अपनी इम्यूनिटी को भी मजबूत बना सकते हैं। इस तरह, आप बिना किसी चिंता के दिवाली का आनंद ले सकते हैं और बीमारियों से भी बच सकते हैं।

दिवाली पर इन बातों का भी रखें ध्यान

त्योहारों पर मिठाइयों और नमकीन का आनंद जरूर लें, लेकिन इनका सेवन सीमित मात्रा में करें। संतुलित आहार लें, पर्याप्त नींद लें और नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियां करें। प्रदूषण से बचने के लिए बाहर निकलते समय जरूरी सावधानियां बरतें। इन छोटी–छोटी आदतों से आप त्योहारों के मौसम में अपनी सेहत का बेहतर ध्यान रख सकते हैं।

नोटः यह लेख सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए है। किसी भी तरह के सप्लीमेंट या डाइट में बड़े बदलाव करने से पहले डॉक्टर या योग्य डाइटिशियन की सलाह जरूर लें।



दीवाली के पटाखों से दूर रहें ये लोग, नहीं तो ट्रिगर हो सकती है आपकी बीमारी

दिवाली पर खुशियों के साथ अपनी और परिवार की सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है। हममें से ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि आतिशबाजी और पटाखों से निकलने



वाला धुआं और रसायन सांस संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। पटाखों को जलाने से फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, इंटरस्टिशियल लंग डिजीज और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी बीमारियां और भी गंभीर हो सकती हैं।

पटाखों का धुआं सेहत के लिए बेहद खतरनाक

पटाखों के धुएं में मौजूद बारीक कण और हानिकारक गैसें आंखों, गले और फेफड़ों को प्रभावित कर सकती हैं। इससे खांसी, सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और अस्थमा के मरीजों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। दिवाली पर पटाखों का धुआं हवा के साथ घर के अंदर भी पहुंच सकता है। ऐसे में जब बाहर धुआं ज्यादा हो, तो घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें। इससे प्रदूषित हवा का घर में आना कुछ हद तक कम हो सकता है।

जरूर लगाएं मास्क

अगर पटाखों के धुएं के दौरान बाहर जाना जरूरी है, तो अच्छी फिटिंग वाला एन95 या समकक्ष प्रमाणित मास्क पहनें। यह हवा में मौजूद कई बारीक कणों से बचाव करने में मदद करता है। साधारण कपड़े या सर्जिकल मास्क बारीक प्रदूषण कणों से उतनी प्रभावी सुरक्षा नहीं देते। पटाखों के धुएं से आंखों में जलन, खुजली और पानी आने की समस्या हो सकती है। ऐसे में आंखों को धुएं और उड़ती राख से बचाना जरूरी है। पटाखों का धुआं बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर ज्यादा असर डाल सकता है। खासकर छोटे बच्चों के फेफड़े अभी विकसित हो रहे होते हैं। इसलिए दिवाली के दौरान उन्हें पटाखों के धुएं के संपर्क में आने से बचाएं।

इन लोगों को सावधान रहने की जरूरत

पटाखों के धुएं से अस्थमा और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में अस्थमा के मरीजों को पहले से सावधानी बरतनी चाहिए। प्रदूषण के संपर्क में आने से गले में सूखापन और जलन महसूस हो सकती है। ऐसे में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है। पानी पीने से शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। ऐसे में दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। दिवाली पर पूजा–पाठ के दौरान धूप, अगरबत्ती और कपूर का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इनसे भी घर के अंदर धुआं और बारीक कण बढ़ सकते हैं। इसलिए अगर बाहर पहले से प्रदूषण ज्यादा है, तो घर के अंदर अतिरिक्त धुआं पैदा करने वाली चीजों का इस्तेमाल सीमित रखें।

पटाखों के धुएं से बचने के लिए इन गलतियों से भी बचें

–प्रदूषण ज्यादा होने पर खुले में एक्सरसाइज न करें।

–धुएं से बचने के लिए केवल साधारण कपड़े का मास्क न पहनें।

–घर में सिगरेट, धूप और अगरबत्ती का धुआं न बढ़ाएं।

–आंखों में जलन होने पर उन्हें बार–बार न रगड़ें।

–सांस की परेशानी होने पर घरेलू नुस्खों के भरोसे इलाज में देरी न करें।



संक्षिप्त



धनतेरस पर वाहनों की मांग तेज, लेकिन EV सप्लाई में आ सकती है बाधाः फाडा

धनतेरस पर वाहन बिक्री में तेजी की उम्मीद है। दोपहिया, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग मजबूत बनी हुई है, हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति में कमी कुछ श्रेणियों में डिलीवरी को प्रभावित कर सकती है। वाहन उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि कुल मिलाकर बाजार की धारणा सकारात्मक है और वाहनों की सभी श्रेणियों में मांग मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर मांग मजबूत है। दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहन, सभी श्रेणियों को मिलाकर देखें तो कारोबार अच्छा चल रहा है। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहनों में, चाहे वे दोपहिया हों या चारपहिया, आपूर्ति में कुछ बाधाएं दिख सकती हैं।'' उद्योग निकाय ने कहा कि छह नवंबर को धनतेरस और आठ नवंबर को दिवाली होने से इस महीने में खुदरा बिक्री का एक बड़ा अवसर आया है। त्योहारों के दौरान अब तक वाहनों के पंजीकरण का रुझान उत्साहजनक रहा है। वाहन क्षेत्र ने नवंबर की शुरुआत आशावाद के साथ की है। फाडा के ऑनलाइन सदस्यों के सर्वेक्षण के अनुसार, 51 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागियों को इस महीने बिक्री बढ़ने की उम्मीद है, जबकि 35 प्रतिशत ने बिक्री स्थिर रहने और 14 प्रतिशत ने इसमें गिरावट आने का अनुमान जताया है। पुरानी कारों के बाजार में भी त्योहारों के दौरान मांग मजबूत बनी हुई है और धनतेरस पर इसके और बढ़ने की उम्मीद है। पुरानी कारों के कई विक्रेताओं ने कहा कि मांग आपूर्ति से अधिक है। कार्स24 के भारत में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) शिवांशु मक्कर ने कहा, ''कार्स24 ने नवरात्र के पहले दिन ही 750 कार की डिलीवरी की। इस दौरान सालाना आधार पर 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और बिक्री की मात्रा सामान्य रविवार की तुलना में करीब पांच गुना रही।'' उन्होंने कहा कि कंपनी को धनतेरस पर मांग और बढ़ने की उम्मीद है। इस दिन परंपरागत रूप से वाहनों की डिलीवरी में तेज वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि पुरानी कारों के बाजार में धनतेरस पर डिलीवरी सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना तक हो सकती है। फाडा के गिरिधर ने इस साल धनतेरस की बिक्री की तुलना पिछले साल से करने को लेकर आगाह किया। पिछले साल धनतेरस 18 अक्टूबर को पड़ा था और उस समय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती लागू होने के बाद दबी हुई मांग के बाजार में आने से खरीदारी को समर्थन मिला था। उन्होंने कहा, ''पिछले साल के धनतेरस के मुकाबले सालाना वृद्धि को मापना शायद सही तरीका नहीं होगा, क्योंकि पिछले साल मुख्य रूप से दबी हुई मांग के कारण बिक्री बढ़ी थी।''

दिवाली पर एमपी में 14,000 करोड़ के कारोबार का अनुमान, सीएआईटी ने जारी किया आकलन

मध्य प्रदेश में इस साल दिवाली के दौरान 12,000 करोड़ रुपये से 14,000 करोड़ रुपये तक का कारोबार होने का अनुमान है। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने यह आकलन जताया है। सीएआईटी के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, दिवाली से पहले सात से 10 दिन के दौरान प्रदेश के बाजारों में खरीदारी में तेजी आने की उम्मीद है। सीएआईटी की भोपाल इकाई के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा ने शुक्रवार को बयान में कहा कि स्वदेशी उत्पादों के प्रति बढ़ती रुचि, स्थानीय व्यापारियों से खरीदारी को मिल रहे प्रोत्साहन और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति में वृद्धि से इस साल दिवाली पर कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे बड़े शहरों के अलावा सागर, रीवा, सतना, रतलाम, देवास, कटनी, छिंदवाड़ा और खंडवा सहित छोटे शहरों के बाजारों में भी अच्छी बिक्री होने की संभावना है। शर्मा ने कहा कि छोटे कस्बों एवं ग्रामीण बाजारों में भी कपड़े,



किराना, मिठाइयों, पूजा सामग्री और घरेलू जरूरतों के सामान की खरीदारी से स्थानीय कारोबारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सीएआईटी के क्षेत्रवार अनुमान के मुताबिक, कपड़ा एवं सिले हुए वस्त्रों के कारोबार में करीब 2,200 करोड़ रुपये, सोना–चांदी एवं आभूषणों में 2,000 करोड़ रुपये और वाहनों की बिक्री से 1,700 करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक्स एवं घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में 1,300 करोड़ रुपये, किराना एवं रोजमर्रा की उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) में 1,100 करोड़ रुपये तथा मिठाई एवं नमकीन के कारोबार में 900 करोड़ रुपये का अनुमान है। उपहार एवं घर की सजावट से जुड़े सामान में 800 करोड़ रुपये, पूजा सामग्री एवं सूखे मेवों में 650 करोड़ रुपये, पटाखों में 600 करोड़ रुपये, फर्नीचर एवं साज–सज्जा के सामान में 550 करोड़ रुपये और जूते–चप्पलों में 350 करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से करीब 1,850 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। शर्मा ने कहा कि पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता, नियामकीय प्रावधानों और ग्रीन पटाखों की उपलब्धता के कारण इस साल पटाखों का कारोबार अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है। उन्होंने लोगों से दिवाली पर देश में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने और स्थानीय व्यापारियों से खरीदारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे छोटे एवं मध्यम कारोबारियों को मजबूती मिलेगी, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, चोट के कारण इंडिया के खिलाफ पूरी वनडे सीरीज से बाहर हुए डेवोन कॉनवे

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे सिर में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह निक केली को दूसरे वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया है। वहीं पहले मैच में 74 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने वाले विराट कोहली की कीवी तेज गेंदबाज जैकब डफी ने जमकर तारीफ की। भारत के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को एक बड़ा झटका लगा है। मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान चोट (कन्कशन) लगने के कारण, आक्रामक बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को सीरीज के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया है। पहले वनडे से ठीक पहले हुई इस घटना के बाद, कॉनवे को जांच के लिए ऑकलैंड के एक अस्पताल के श्एक्सीडेंट एंड इमरजेंसीश विभाग में ले जाना पड़ा था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज निक केली, जिन्हें न्यूजीलैंड की चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया था, शुक्रवार को वेलिंगटन में टीम से जुड़ेंगे। वे शनिवार को होने वाले सीरीज के दूसरे मैच में कॉनवे की जगह लेंगे। मैट हेनरी, जिनसे फील्डिंग के दौरान कॉनवे टकरा गए थे, अब पूरी तरह ठीक हैं (उन्हें कन्कशन नहीं है) और वे चयन के लिए उपलब्ध हैं। ऑकलैंड एसेस के बल्लेबाज डेल फिलिप्स को न्यूजीलैंड श्एश टीम में शामिल किया गया है। वे भारत श्एश के घ्घखिलाफ होने वाले आखिरी चार दिवसीय मैच में केली की जगह लेंगे; यह मैच भी शनिवार से ही शुरू हो रहा है। न्यूजीलैंड और भारत के बीच दूसरा वनडे वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत इस सीरीज में 1–0 से आगे है। वहीं, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ



पहले वनडे में शानदार 74 रन की पारी खेलकर भारत को पांच विकेट से जीत दिलाई और उनके इस प्रदर्शन से प्रभावित न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने कहा कि इस दिग्गज बल्लेबाज के खेल में कोई कमी नजर नहीं आती। कोहली ने महज 51 गेंद में 74 रन बनाए और बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत ने संशोधित 143 रन के लक्ष्य को 56 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। डफी आईपीएल 2026 में खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम में कोहली के साथी रह चुके हैं। बेंगलुरु में आरसीबी के अभ्यास सत्र के दौरान वह कई बार कोहली की बल्लेबाजी का सामना कर चुके हैं। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डफी ने मजाकिया अंदाज में कहा, ''हां, यह थोड़ा परेशान करने वाला था, क्या नहीं था? ''

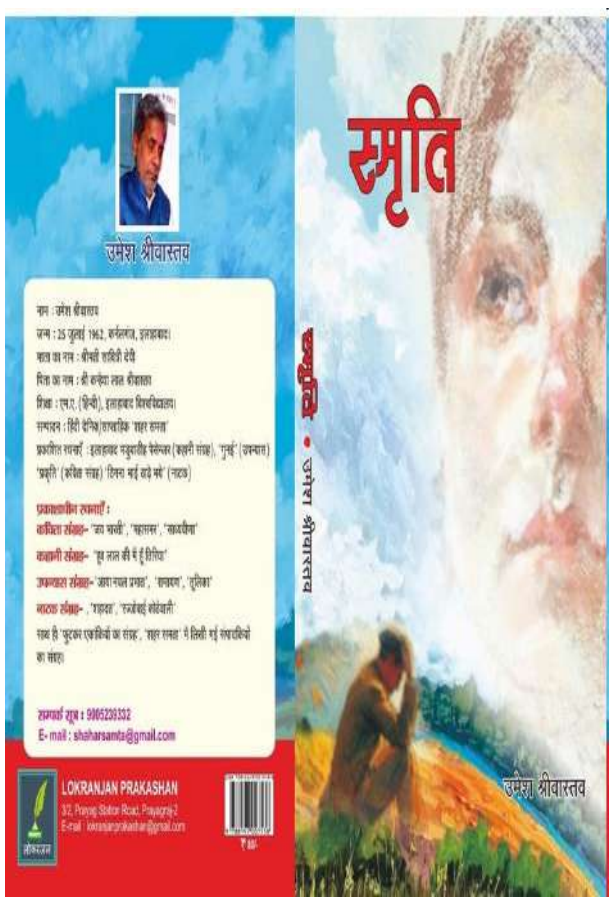
भारत ए बनाम न्यूजीलैंड एः तीसरे मैच में जसप्रीत बुमराह और जडेजा पर होंगी नजरें

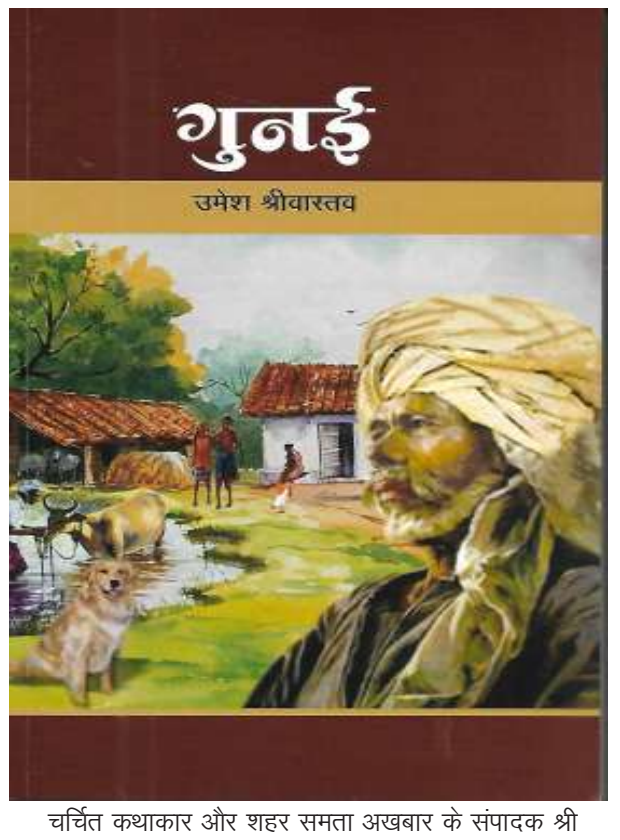
तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले भारत ए की तरफ से खेलते हुए शनिवार से यहां शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम चार दिवसीय मैच में अपनी तैयारी को पुख्ता अंजाम देने की कोशिश करेंगे। बुमराह ने अपना आखिरी मैच एशियाई खेलों के फाइनल के रूप में तीन अक्टूबर को खेला था। इसके बाद उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत टी20 और मौजूदा वनडे श्रृंखला के लिए टीम में नहीं रखा गया था। वेलिंगटन में 19 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले बुमराह न्यूजीलैंड ए के खिलाफ मैच में यहां की परिस्थितियों से अवगत होने की पूरी कोशिश करेंगे। भारत ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला को काफी महत्व दिया है और इसलिए उसके कई सीनियर खिलाड़ी न्यूजीलैंड ए के खिलाफ श्रृंखला में खेल रहे हैं। इससे उन्हें यहां की हवादार और ठंडी परिस्थितियों के अनुकूल होने का मौका मिला है। हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट से पूरी तरह उबर चुके प्रसिद्ध को भी टेस्ट क्रिकेट के लिए टीम में बरकरार रखा गया है। उन्होंने अपना आखिरी मैच 30 सितंबर को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे के रूप में खेला था। सौराष्ट्र के लिए दो रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद जडेजा न्यूजीलैंड पहुंचे हैं। उन्होंने इन दो मैच में सात विकेट लिए और एक शतक बनाया। वनडे टीम में जगह नहीं बना पाने वाले जडेजा रणजी ट्रॉफी की अपनी फॉर्म को यहां भी बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। इस श्रृंखला के पहले दो मैच ड्रॉ रहे थे। देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल इस श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। यशस्वी जायसवाल ने हैगली ओवल में खेले गए पिछले मैच में नाबाद 155 रन की पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। पहले मैच के बाद वनडे टीम से बाहर किए गए ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी लाल गेंद से खेलने का कुछ समय मिलने की उम्मीद है। पिछले दो मैचों



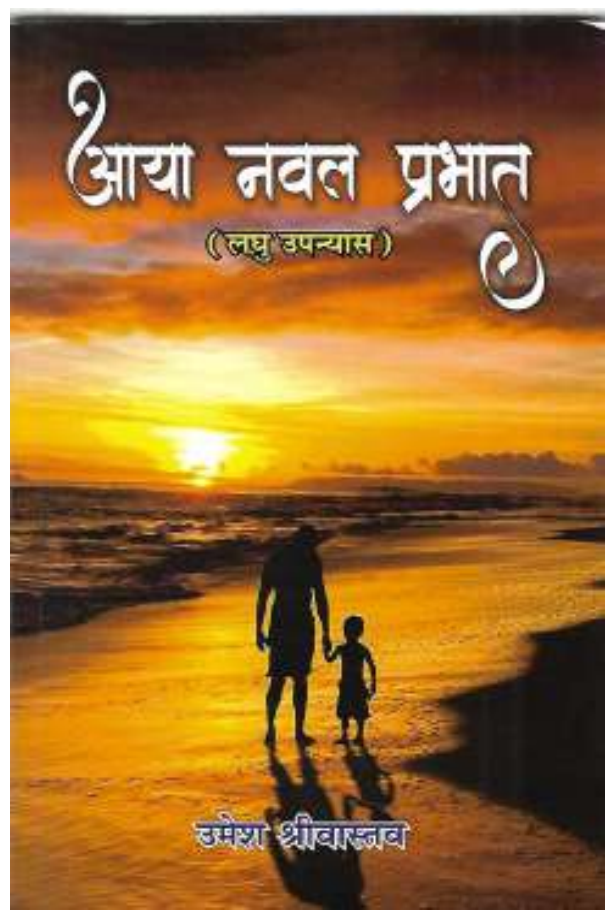
में पिचें बल्लेबाजी के लिए अनुकूल साबित हुईं। अगर भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करती है, तो उसे पहले दिन की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना होगा।

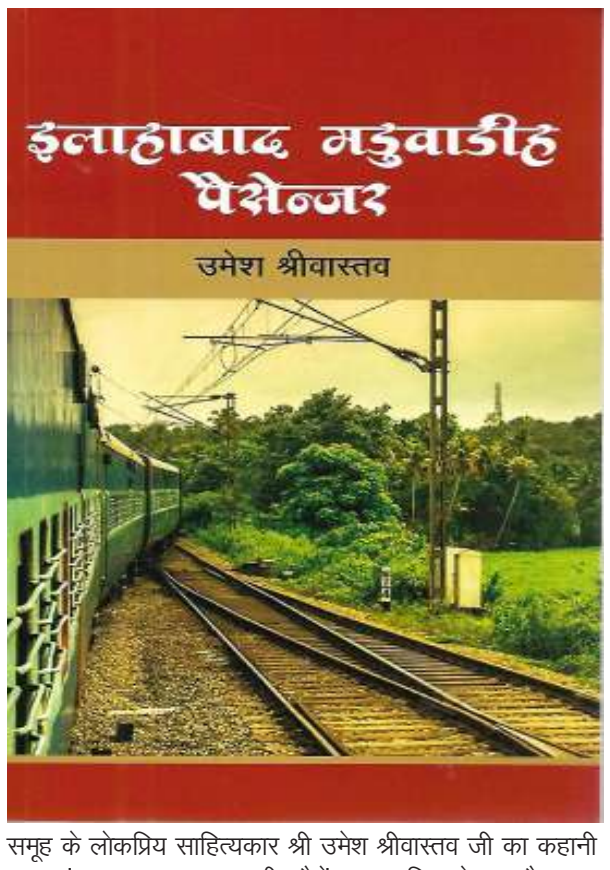
श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय टीम पहली पारी में 113 रन पर आउट हो गई थी, लेकिन दूसरी पारी में उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए 516 रन बनाए थे। अगर न्यूजीलैंड ए की बात करें तो उसे शानदार फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज साइमन कीन और फ्रेजर शीट की कमी खलेगी जो चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।



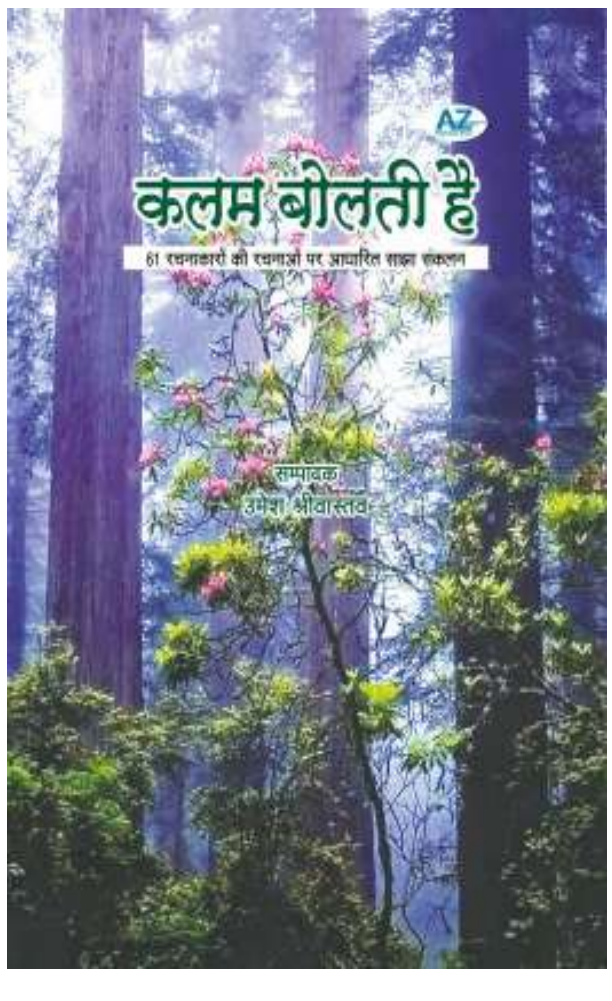


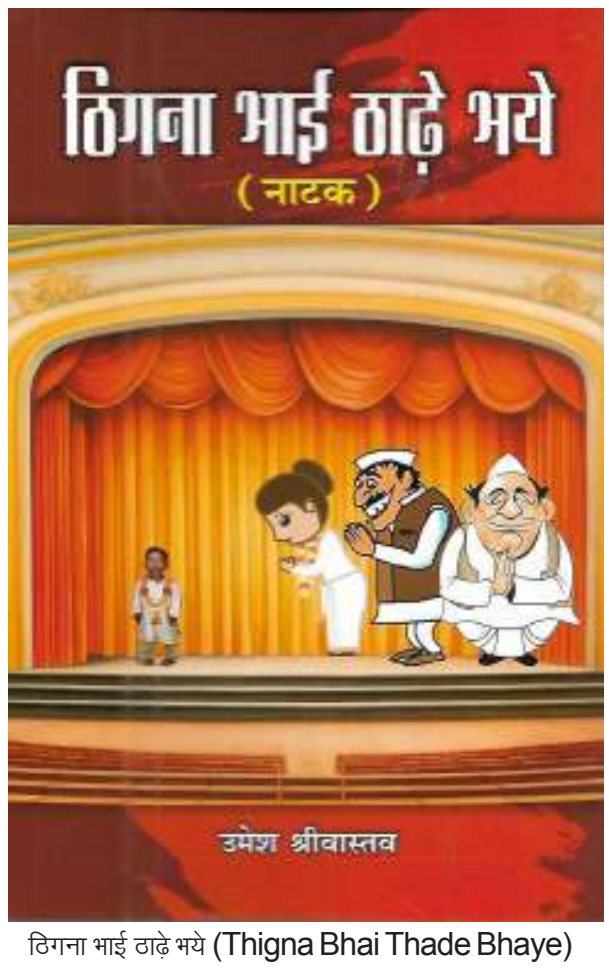
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान के पंजाब में भीषण सड़क हादसा, बस और ट्रक की टक्कर में 12 लोगों की गई जान

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बृहस्पतिवार शाम एक यात्री बस और ट्रक की भिड़ंत में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक अन्य घायल हो गए। बचाव विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह हादसा लाहौर से करीब 200 किलोमीटर दूर पाकपट्टन में देपालपुर रोड पर हुआ। पंजाब आपातकालीन एवं बचाव सेवा (रेस्क्यू 1122) के अनुसार, यात्री बस पंजाब के साहीवाल जिले से कसूर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। बचाव विभाग ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बस पलट गई। हादसे में घायल यात्रियों को बाहर निकालने के लिए बचावकर्मियों को विशेष कटर की मदद से बस की लोहे की सीटों और अन्य हिस्सों को काटना पड़ा। 'रेस्क्यू 1122' ने बताया, हादसे में 10 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों में शामिल 32 लोगों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। विभाग ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि हादसा एकल सड़क मार्ग पर बस चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुआ। 'रेस्क्यू 1122' के मुताबिक, मृतकों में एक पुलिसकर्मी और एक सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। बचाव दलों को घायलों और मृतकों को अस्पताल पहुंचाने में तीन घंटे से अधिक समय लगा। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने बस हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को घायलों का सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

तुर्किये की संसद ने पाकिस्तान और सऊदी अरब संग रक्षा समझौते को दी मंजूरी

अंकारा। तुर्किये की संसद ने बृहस्पतिवार को तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक त्रिपक्षीय रक्षा सहयोग समझौते को मंजूरी दी है। तुर्किये की 600 सदस्यीय संसद में विपक्ष के कड़े विरोध के बावजूद यह प्रस्ताव 119 के मुकाबले 279 मतों से पारित हो गया। विपक्षी दलों ने तर्क दिया था कि यह समझौता तुर्किये को क्षेत्रीय युद्धों में घसीट सकता है और तुर्किये के सैनिकों को खतरे में डाल सकता है। हालांकि, संसद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष एवं राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन की सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य



फुआत ओकते ने कहा कि तुर्किये को ''उसकी इच्छा के विरुद्ध किसी अनियंत्रित प्रक्रिया में नहीं घसीटा जाएगा।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि सैनिकों की तैनाती केवल संसदीय मंजूरी के बाद ही संभव होगी। यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है जब सऊदी अरब पड़ोसी देश यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ संघर्ष के बीच क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। अगस्त में हस्ताक्षरित 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' के तहत तीनों देश किसी एक पर हुए हमले को तीनों पर हमला मानेंगे। इसके तहत खतरे से निपटने, सैन्य सहयोग को मजबूत करने, खुफिया जानकारी साझा करने और रक्षा उद्योग के संबंधों को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की गई है। तुर्किये अधिकारियों ने कहा है कि अंकारा, सऊदी अरब को सैन्य सहायता भेजने पर विचार कर रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह समझौता पूरी तरह रक्षात्मक है और यमन में संघर्ष या हूतियों पर हमला करने के लिए तुर्किये सैनिकों को तैनात नहीं किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र शांतिसैनिकों पर हमले करने वालों की तय हो जवाबदेही, संयुक्त राष्ट्र में बोला भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांतिसैनिकों के खिलाफ हमलों के दोषियों को जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया है, और इस बात को रेखांकित किया है कि ब्लू हेल्मेट्स (शांतिसैनिकों) को विषम और तकनीकी खतरों का सामना करना पड़ रहा है। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सबसे अधिक सैनिक भेजने वाले देशों में से एक है, जिसने अब तक 50 मिशनों में 3,00,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के सैन्य सलाहकार, कर्नल तरुणेंद्र प्रताप सिंह ने यहां बृहस्पतिवार को कहा, ''भारत शांतिसैनिकों की सुरक्षा को शांति स्थापना के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक मानता है।'' शांति स्थापना अभियानों के सभी पहलुओं की व्यापक समीक्षा पर आयोजित वार्षिक परिचर्चा को संबोधित करते हुए कर्नल सिंह ने कहा, ''आज के कर्मियों को विषम और तकनीकी रूप से उन्नत खतरों का सामना करना पड़ता है, और शांतिसैनिकों पर हमला करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।''

मध्यावधि चुनावों में हार के बाद ट्रंप प्रशासन में पहला इस्तीफा, हरमीत ढिल्लों ने न्याय विभाग के AAG पद से दिया इस्तीफा



अमेरिका में 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों में मिली करारी हार के बाद, ट्रम्प प्रशासन को अपना पहला झटका लगा है। अमेरिकी न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की प्रमुख के रूप में काम कर रहीं भारतीय–अमेरिकी वकील हरमीत कौर ढिल्लों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उन प्रमुख सहयोगियों में से पहली हैं, जिन्होंने अपना पद छोड़ा है। चंडीगढ़ में जन्मीं और न्यूयॉर्क जाने से पहले लंदन में रह चुकीं ढिल्लों को ट्रम्प ने दिसंबर 2024 में नामित किया था। अप्रैल में, उन्होंने नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल (AAG) के रूप में शपथ ली थी। उनके इस्तीफे के बाद और भी कई इस्तीफे सामने आ सकते हैं, क्योंकि कई रिपब्लिकन पहले ही ट्रम्प प्रशासन की नीतियोंकृखासकर ईरान युद्ध और व्यापार शुल्कों (टैरिफ) को लेकर असंतोष जता चुके हैं। हालांकि, ढिल्लों ने अपने इस फैसले के लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया है, बल्कि ।।ळ के रूप में काम करने का मौका देने के लिए ट्रम्प को धन्यवाद दिया है। गुरुवार (स्थानीय समय) को एक्स पर ढिल्लों ने कहा कि नागरिक अधिकारों के लिए ।।ळ के रूप में अपने देश की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। बता दें कि ढिल्लों की कानूनी फर्म ट्रम्प के 2020 के चुनाव अभियान का हिस्सा थी। उन्होंने आगे कहा कि हमने अवैध क्म्प (विविधता, समानता और समावेश) को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई, महिलाओं और लड़कियों के खेलों की सुरक्षा के लिए लड़ाई लड़ी, और भी बहुत कुछ किया। मुझे यह अवसर देने के लिए मैं राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद देना चाहती हूं। अब आगे क्या होता है, इसका मुझे इंतजार है। जहां कई रिपब्लिकन और ट्रम्प के समर्थकों ने मध्यावधि चुनावों में मिली हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार ठहराया है, वहीं 80 वर्षीय अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके लिए गुरुवार को शेयर बाजार में आई भारी गिरावट को जिम्मेदार माना है। लेकिन उन्होंने अपने समर्थकों को भरोसा दिलाया कि रिपब्लिकन फिर से वापसी करेंगे और अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा चुनाव नतीजों की वजह से शेयर बाजार ने इतिहास के सबसे बुरे दिनों में से एक देखा है। यह देखना बहुत दुखद है! हमने देश को उस स्तर तक पहुँचाने के लिए बहुत मेहनत की थी, जो पहले कभी नहीं देखा गया था, और अब यह सब हो गया। इसी वजह से आपके 401(ा) (रिटायरमेंट फंड) में गिरावट आई है। याद रखें, इसके लिए रिपब्लिकन नहीं, बल्कि श्डमोक्रेट्सश (डेमोक्रेट्स) जिम्मेदार हैं। अब अमेरिकी हाउस और सीनेट पर डेमोक्रेट्स का पूरा नियंत्रण है। विशेषज्ञों और विश्लेषकों का मानना घ्है कि यह देखना दिलचस्प होगा कि दो साल बाद होने वाले अगले राष्ट्रपति चुनाव में क्या होता है। हालाँकि, उनका मानना घ्है कि फिलहाल ट्रम्प की नीतियों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा।

क्या ईरान पर फिर हमला करेगा यूएस व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा बैठक



अमेरिकी हाउस और सीनेट पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाने के बाद, मध्यावधि चुनाव रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक बड़ा झटका साबित हुए। लेकिन इतनी करारी हार के बावजूद, ऐसा नहीं लगता कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्य पूर्व में हालात को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं। असल में, उन्होंने गुरुवार को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ अहम बैठकें कीं, जिसमें इस बात पर चर्चा हुई कि क्या ईरान पर फिर से हमले शुरू किए जाएं। फॉक्स न्यूज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार और गुरुवार को व्हाइट हाउस में बैठकें हुईं। बैठक के दौरान, अधिकारियों ने ट्रम्प को 9 नवंबर के बारे में बताया। इस दिन मध्य पूर्व में श्नया चाँदश (अमावस्या) होगा, जिसका मतलब है कि उस समय चाँदनी बहुत कम होगी। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे हालात सैन्य अभियानों के लिए अनुकूल होंगे, जिससे संकेत मिलता है कि हमले फिर से शुरू हो सकते हैं।

जल्द ही फैसला लेंगे

संयोग से, 80 वर्षीय रिपब्लिकन नेता ने गुरुवार को कहा कि वे जल्द ही इस बात पर फैसला लेंगे कि क्या अमेरिका को हमले फिर से शुरू करने चाहिए। इज़रायली लगातार अमेरिकियों से हमले फिर से शुरू करने का आग्रह कर रहे हैं, जिससे दोनों पक्षों के बीच मतभेद पैदा हो गए हैं। कई रिपब्लिकन नेताओं ने तो मध्यावधि चुनावों (मिडटर्म) में अपनी हार के लिए इसी चल रहे संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया है। अपने दूसरे कार्यकाल में चल रहे ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा अगर संभव हो तो मैं बाकी देश को बर्बाद नहीं करना चाहूँगा, लेकिन शायद मुझे ऐसा करना पड़े। आपको जल्द ही पता चल जाएगा। उन्होंने आगे कहा हम तय करेंगे कि क्या हम आगे बढ़ना चाहते हैं और इसे पूरी तरह से सुनिश्चित करना चाहते हैं – जिसका मतलब है कि ऐसी घटना दोबारा कभी न हो? ... मुझे लगता है कि देश को फिर से बनाने में उन्हें 25 साल लग जाएंगे।

परमाणु मुद्दों पर ईरान का अमेरिका को प्रस्ताव

खबरों के अनुसार, ईरान ने कतर के जरिए अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका को एक प्रस्ताव भेजा है। एक हफ्ते पहले श्इंडिया टीवीश ने बताया था कि अगर अमेरिका हमले रोक दे और प्रतिबंध हटा ले, तो ईरान अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को किसी तीसरे देश में भेज सकता है और सात दिनों के भीतर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोल सकता है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि इस प्रस्ताव के मसौदे पर सहमति बनी है या नहीं। अमेरिका का हमेशा से यही कहना रहा है कि ईरान को अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ देना चाहिए, लेकिन तेहरान का कहना है कि जब तक वाशिंगटन उसकी मांगें नहीं मान लेता, तब तक कोई बातचीत नहीं हो सकती। फिलहाल, मध्य पूर्व में स्थिति नाजुक बनी हुई है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे क्या होता है, खासकर मिडटर्म चुनावों में ट्रंप की करारी हार के बाद।

मस्क ने ट्रंप की पार्टी के समर्थन वाले पोस्ट हटाए: प्रचार में किया था 4400 करोड़ का खर्चा; क्यों उठे सवाल ?

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली बड़ी हार के बाद दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क एक बार फिर चर्चा में हैं। चुनाव से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में खुलकर प्रचार करने वाले मस्क को लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने अपनी चर्चित सोशल मीडिया पोस्ट श्वोट रेड टुडे!श को डिलीट कर दिया है। खास बात यह है कि मस्क के एआई चौटबॉट ग्रोक ने भी पूछे जाने पर पोस्ट हटाए जाने की बात कही।

चुनावी हार के बाद मस्क की पोस्ट पर क्यों उठे सवाल?

चुनाव परिणाम सामने आने के बाद बुधवार सुबह एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर काफी सक्रिय दिखाई दिए। उन्होंने चुनावी नतीजों और उनके विश्लेषण से जुड़ी कई पोस्ट को रीपोस्ट किया। रात करीब 1 बजे ईस्टर्न टाइम पर उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा, लगता है मेरे चुनाव में दखल देने वाले स्पेस लेजर इस बार काम नहीं आए। इससे पहले उन्होंने अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनाने को लेकर भी टिप्पणी की थी।

दावा किया गया था कि मतदाताओं ने रिपब्लिकन की नीतियों का समर्थन करने के बावजूद डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट दिया। मस्क ने जवाब में कैलिफोर्निया के वोटर आईडी प्रस्ताव की हार का जिक्र किया। उनका इशारा उस प्रस्ताव की ओर था, जिसके तहत मतदान के लिए सरकारी फोटो पहचान पत्र या मेल–इन बैलेट के लिए पहचान संबंधी जानकारी देना अनिवार्य किया जाना था।

रिपब्लिकन उम्मीदवारों पर खर्च किए 458 मिलियन डॉलर से ज्यादा



अमेरिकी चुनाव में एलन मस्क की भूमिका केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही। उन्होंने रि पब्लिकन उम्मीदवारों और कंजर्वेटिव संगठनों के समर्थन में कम से कम 458 मिलियन डॉलर खर्च किए। चुनाव आयोग की फाइलिंग और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मस्क अमेरिकी आधुनिक राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े व्यक्तिगत राजनीतिक दानदाताओं में शामिल हो गए। उनके खर्च का बड़ा हिस्सा अमेरिका पीएसी नाम के सुपर पीएसी को मिला। इस संगठन ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने, जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान चलाने और डिजिटल विज्ञापनों के जरिए रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में माहौल बनाने का काम किया।

106 उम्मीदवारों के पीछे थी मस्क की ताकत, कई को मिली हार

रिपोर्ट के मुताबिक, मस्क ने कुल 106 हाउस और सीनेट उम्मीदवारों के समर्थन में राजनीतिक खर्च किया था। चुनाव के बाद बुधवार दोपहर तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इनमें से केवल 19 उम्मीदवार जीत पाए थे। ये सभी ऐसी सीटों पर थे, जहां रिपब्लिकन की जीत पहले से अपेक्षित मानी जा रही थी। वहीं, 47 उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 40 सीटों के नतीजे उस समय घोषित नहीं हुए थे।

सबा हैदर ने रचा इतिहास, इलिनॉय प्रतिनिधि सभा में चुनी जाने वाली बनीं पहली दक्षिण एशियाई महिला

न्यूयॉर्क। भारत में जन्मी डेमोक्रेट सबा हैदर ने इलिनॉय प्रतिनिधि सभा का चुनाव जीत लिया है और इसके साथ ही वह राज्य की जनरल असेंबली के लिए चुनी जाने वाली पहली दक्षिण एशियाई महिला बन गई हैं। हैदर ने तीन नवंबर को हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में 84वें डिस्ट्रिक्ट से जीत हासिल की। उन्हें कुल 70.9 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने 20,756 मत हासिल किए, जबकि उनकी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ब्रायन स्कोपा को 8,520 वोट यानी 29.1 प्रतिशत मत मिले। हैदर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "हमने यह कर दिखाया। पिछले 15 महीनों से हमने 84वें डिस्ट्रिक्ट के हर कोने में मतदाताओं तक



पहुंच बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। हमने यह जानने की कोशिश की कि उनके लिए क्या मायने रखता है, वे किन बदलावों की उम्मीद करते हैं और मजबूत, समृद्ध तथा अधिक समावेशी समुदाय बनाने के लिए हम किस तरह मिलकर काम कर सकते हैं।" उन्होंने मतदाताओं, परिवार के सदस्यों, दोस्तों, चुनाव प्रचार अभियान से जुड़े लोगों और स्वयंसेवकों का आभार जताया। उन्होंने अपने चुनाव अभियान को 'जमीनी स्तर पर लोगों की भागीदारी से संचालित आंदोलन' बताया। उन्होंने कहा, "आखिरकार यह चुनाव उन लोगों के बारे में था, जो इस समुदाय को अपना घर कहते हैं। यह उस भविष्य के निर्माण की कोशिश थी, जिसके हम सभी हकदार हैं।" हैदर ने कहा कि उनकी जीत उन सभी लोगों की जीत है, जो ऐसे इलिनॉय में विश्वास करते हैं, जहां सभी के साथ निष्पक्षता और न्याय हो तथा हर किसी का स्वागत किया जाए। इलिनॉय की विधायिका में शामिल होने से पहले हैदर ड्यूपेज काउंटी बोर्ड की सदस्य और सामुदायिक कार्यकर्ता के रूप में काम कर चुकी हैं। भारत में जन्मी हैदर का परिवार उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से ताल्लुक रखता है। वह करीब 20 साल पहले अमेरिका आ गई थीं। हैदर ने अपने चुनाव अभियान के दौरान कहा था, "तब से मैंने अपना जीवन उस समुदाय की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है, जिसने मुझे और मेरे परिवार को इलिनॉय में अपना घर बसाने में मदद की।" हैदर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने इसी संस्थान से वन्यजीव विज्ञान में एमएससी की डिग्री हासिल की है।

डिजिटल बैंक दिवालिया होने पर पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने दिया इस्तीफा

एसनसियोन। पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने उनकी सरकार से जुड़े एक बड़े डिजिटल बैंक के दिवालिया होने के बाद इस्तीफा देने की घोषणा की। यूएनो बैंक के इस संकट से लाखों लोगों की जमा–पूंजी फंस गई और देशभर में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इस घटनाक्रम के बाद उनकी अपनी पार्टी ने भी उनसे समर्थन वापस ले लिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

